MPHIN.RNI.NO. 62005/94

प्रजादेश

वर्ष -32 अंक 100 | भोपाल, मंगलवार 12 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे दिन बोले- पेट्रोल-डीजल कम इस्तेमाल करें

सोने की खरीद टालें, तेल कम खाएं; स्कूल ऑनलाइन हों, कंपनियां वर्क फ्रॉम होम दें

नईदिल्ली,11 मई । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 24 घंट में लगातार दूसरी बार देशवासियों से तेल की बचत करने की अपील की है। उन्होंने वडोदरा में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट पिछले कई वर्षों के सबसे गंभीर संकटों में से एक है। उन्होंने विश्वास जताया कि जैसे भारत ने कोविड-19 महामारी से सफलतापूर्वक उबरकर आगे बढ़ा, वैसे ही इस संकट से भी देश बाहर निकलेगा। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को वैश्विक सप्लाई चेन का एक बड़ा हिस्सा बनाने के लिए लगातार काम किया जा रहा है, ताकि देश की आर्थिक स्थिति और मजबूत हो सके। उन्होंने संबोधन से पहले 'सरदारधाम-3' शैक्षणिक संकुल का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि भी दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन किसी पवित्र त्योहार से कम नहीं है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में शामिल होने से पहले वे सोमनाथ मंदिर भी गए थे, जहां उन्हें

सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित अमृत महोत्सव में शामिल होने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का सपना सरदार पटेल के संकल्प से ही पूरा हुआ था। उन्होंने कहा कि यह ऐतिहासिक धरोहर भारत की सांस्कृतिक शक्ति का प्रतीक है। ईंधन बचत पर पीएम की अपील- सार्वजनिक परिवहन अपनाएं, सोना खरीद टालें

उन्होंने यह भी कहा कि जब भी देश पर युद्ध या कोई बड़ी आपदा आई है, तब नागरिकों ने सरकार के आह्वान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है, और अब भी इसी एकजुटता की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि आयात पर निर्भरता कम करने के प्रयास किए जाएं और ऐसे व्यक्तिगत खर्चों से बचा जाए जिनमें विदेशी मुद्रा का उपयोग होता है। पीएम ने एक बार फिर से लोगों से अपील की कि ईंधन की खपत कम करें और निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाएं या इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि लोग फिलहाल सोना खरीदने जैसी गैर-जरूरी खर्च वाली चीजों को टालें, ताकि देश की आर्थिक स्थिरता को मजबूती मिल सके। छोटे-छोटे कदमों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाएं'

पीएम मोदी ने कहा कि पहले भी जब देश युद्ध या किसी बड़े संकट से गुजरा है, तब हर नागरिक ने सरकार के आह्वान पर अपनी जिम्मेदारी निभाई है। आज भी सभी लोगों को मिलकर देश के संसाधनों पर बोझ कम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भारत कई वस्तुओं के आयात पर लाखों करोड़ रुपये विदेशी मुद्रा खर्च करता है, जबकि आयातित वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और वैश्विक सप्लाई चेन भी प्रभावित है।

पीएम मोदी ने कहा कि जैसे एक-एक बूंद मिलकर घड़ा भरता है, वैसे ही छोटे-छोटे प्रयास भी बड़े बदलाव ला सकते हैं। इसलिए हमें विदेशी उत्पादों पर निर्भरता कम करनी चाहिए और रोजमर्रा की जिंदगी में ऐसे खर्चों से बचना चाहिए जिनमें विदेशी मुद्रा खर्च होती है। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर छोटे-छोटे कदम उठाने होंगे ताकि बाहरी चुनौतियों के बावजूद देश की प्रगति पर कोई असर न पड़े।

'छुट्टियां भारत में बिताएं'

पीएम ने कहा कि छुट्टियां शुरू होते ही कई परिवार बच्चों को लेकर विदेश घूमने निकल जाते हैं। उन्होंने कहा कि आजकल डेस्टिनेशन वेडिंग और विदेश यात्रा का चलन तेजी से बढ़ रहा है, जिससे बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च होती है। पीएम मोदी ने कहा कि अब कई लोग विदेश में शादी करने की पुरानी आदत छोड़ रहे हैं, जो एक सकारात्मक बदलाव है। उन्होंने लोगों से सवाल करते हुए कहा कि क्या भारत में घूमने के लिए सुंदर और ऐतिहासिक जगहों की कमी है? उन्होंने कहा कि देश के भीतर ही ऐसी कई जगहें हैं जहां बच्चे भारत के इतिहास, संस्कृति और विरासत को करीब से जान सकते हैं। प्रधानमंत्री ने लोगों से अपील की कि वे अपनी छुट्टियां भारत में बिताएं, स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा दें और देश की संस्कृति पर गर्व महसूस करें।

युवाओं के कौशल-स्टार्टअप पर पीएम मोदी का जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि युवाओं को डिग्री पूरी करने के बाद केवल अनुभव की कमी के कारण भटकने नहीं देना चाहिए। इसके लिए उन्हें अप्रेंटिसशिप (प्रशिक्षण) के अवसर दिए जा रहे हैं।

BSF को बांग्लादेश बॉर्डर फेंसिंग के लिए जमीन मिलेगी:बंगाल की भाजपा सरकार का फैसला

नए आपराधिक कानून लागू होंगे, आयुष्मान पर भी काम शुरू

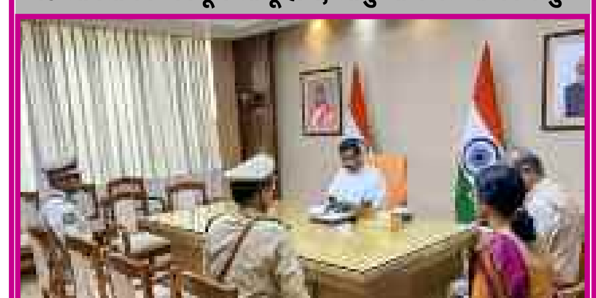

नईदिल्ली,11 मई । पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर फेंसिंग के लिए BSF को जमीन देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध घुसपैठ से निपटने के लिए 45 दिन के भीतर यह जमीन गृह मंत्रालय को सौंप दी जाएगी। हावड़ा के नाबन्ना में नवनिर्वाचित BJP सरकार की पहली कैबिनेट बैठक हुई। CM अधिकारी ने कहा कि यह फैसला बैठक में लिए गए मुख्य प्रस्तावों में से एक था।

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि TMC सरकार ने राज्य में पुराने IPC और छ्रह्क्क्ष्ट की जगह नए आपराधिक कानून भारतीय न्याय संहिता (BNS) को लागू नहीं किया था।

राज्य में अब BNS लागू करने की आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है। केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत और जन आरोग्य योजना भी पश्चिम बंगाल में भी लागू की जाएंगी। सुवेंदु कैबिनेट की बैठक के फैसले

चुनावी हिंसा में मारे गए 321 BJP कार्यकर्ताओं के परिवारों की जिम्मेदारी राज्य सरकार उठाएगी।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के लिए क्क्स्न को जमीन ट्रांसफर करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसे 45 दिनों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम मान के भाई ने की बगावत, थामा भाजपा का दामन; आप के ये नेता भी हुए शामिल

नईदिल्ली,11 मई । पंजाब की राजनीति में हलचल मच गई है। सोमवार को पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के मौसेरे भाई ज्ञान सिंह मान ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पंजाब बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की मौजूदगी में ज्ञान सिंह मान ने बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर बलजिंदर सिंह वड़िंग ने भी भाजपा में शामिल होने का एलान किया। इसके अलावा आप नेता मनजिंदर सिंह ने भी भाजपा का हाथ थामा। यह घटनाक्रम पंजाब-हरियाणा की सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है। हाल ही में सात राज्यसभा सांसद बीजेपी में हुए थे शामिल

हाल ही में आप के सात राज्यसभा सांसदों जिनमें राघव चड्ढा, संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह आदि पार्टी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए थे। यह आप की राज्यसभा ताकत का दो-तिहाई हिस्सा था, जिसने पार्टी में भारी बेचैनी पैदा कर दी। आप और सीएम भगवंत मान ने इसे ऑपरेशन लोटस करार देते हुए बीजेपी पर आरोप लगाए।

उद्योग मंत्री के घर पर ईडी के रेड से और गरमाया मामला

वहीं, पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा के घर पर ईडी की रेड के बाद उनकी गिरफ्तारी से माहौल और भी गरमा गया। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को मनी लॉन्ड्रिंग और जीएसटी धोखाधड़ी मामले में गुरुग्राम की विशेष अदालत ने सात दिन की ईडी हिरासत में भेज दिया। अदालत ने कहा कि मंत्री के खिलाफ आरोप बेहद गंभीर हैं और धन के लेन-देन का पता लगाने के लिए पूछताछ जरूरी है। मामला 157.12 करोड़ रुपये से अधिक की जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़ा है। लुधियाना और बलाचौर में भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान आप-भाजपा कार्यकर्ताओं में टकराव हो गया, जिसे पुलिस ने तत्काल शांत कराया। ईडी ने अरोड़ा को बीते शनिवार की शाम चंडीगढ़ स्थित सरकारी आवास से गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही उनसे जुड़ी कंपनी हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड के गुरुग्राम स्थित परिसर पर भी छापा मारा गया था। अधिकारियों के अनुसार अरोड़ा को रात में सड़क मार्ग से गुरुग्राम लाया गया और रविवार को पीएमएलए कोर्ट के जज नरेंद्र सूरा के समक्ष पेश किया गया।

बंगाल छ्रूअधिकारी को हावड़ा में नाबन्ना में पदभार ग्रहण करने के बाद 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया।

राहुल बोले- देश चलाना मोदी के बस की बात नहीं:सोना न खरीदें, विदेश न जाएं जैसी 7 अपीलें उपदेश नहीं; नाकामी के सबूत

नईदिल्ली,11 मई । राहुल गांधी ने सोमवार को पश्चिम एशिया में चल रहे संकट से निपटने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी की हालिया 'सात अपीलों' पर पलटवार किया। उन्होंने इसे नाकामी करार दिया। कहा कि अब देश चलाना प्रधानमंत्री के बस में नहीं रह गया है।

X पर एक पोस्ट में राहुल ने लिखा, 'कल मोदी जी ने जनता से त्याग मांगा। सोना मत खरीदो, विदेश मत जाओ, पेट्रोल कम इस्तेमाल करो, खाद और खाने के तेल का उपयोग घटाओ, मेट्रो से चलो, घर से काम करो। ये उपदेश नहीं हैं। ये विफलता हैं।'

उन्होंने कहा, '12 साल में देश को इस मुकाम पर ला दिया है कि जनता को बताना पड़ रहा है। क्या खरीदें, क्या नहीं। कहां जाए, कहां नहीं।'

दरअसल, रविवार को सिकंदराबाद में एक जनसभा में पीएम मोदी ने आयात पर निर्भरता कम करने की जरूरत पर जोर दिया था, ताकि विदेशी मुद्रा की बचत और पर्यावरण की रक्षा हो सके। पीएम ने कहा था- भारत में तेल के कुएं नहीं, पेट्रोल कम यूज करें

पीएम मोदी रविवार को कहा था, 'आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं।

पंजाब में भाजपा दफ्तरों पर हमला: जीरकपुर और तरनतारन में नकाबपोश युवकों ने की तोड़फोड़

नईदिल्ली,11 मई । पंजाब में नगर काउंसिल चुनावों के बीच सोमवार को भाजपा कार्यालयों पर हमलों की दो घटनाओं ने सियासी माहौल गरमा दिया है। जीरकपुर और तरनतारन में सोमवार को नकाबपोश युवकों ने भाजपा दफ्तरों में घुसकर हंगामा, तोड़फोड़ और नारेबाजी की। दोनों घटनाओं के बाद भाजपा नेताओं ने कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं, जबकि पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

पहली घटना तरनतारन में सामने आई, जहां भाजपा जिला कार्यालय पर

सोमवार शाम करीब 15 से 20 नकाबपोश युवक अचानक घुस आए और वहां जमकर तोड़फोड़ की। हमलावरों ने कार्यालय की खिड़कियों के शीशे तोड़ दिए और मौके पर मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की और हाथापाई भी की। इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सीसीटीवी से हो रही पहचान

सूचना मिलते ही पुलिस की कई टीमें मौके पर पहुंच गईं और पूरे इलाके को घेर लिया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है, ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। घटना के बाद भाजपा कार्यालय के बाहर सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है।

कांग्रेस में सीएम पद को लेकर खींचतान जारी: आलाकमान ने केरल से कई वरिष्ठ नेताओं को बुलाया दिल्ली

नईदिल्ली,11 मई । केरल विधानसभा चुनाव के नतीजे आए एक सप्ताह हो चुका है, लेकिन पार्टी मुख्यमंत्री पद के लिए किसी भी नेता का नाम तय नहीं कर पायी है। लगातार हो रही देरी के बीच कांग्रेस ने पार्टी आलाकमान ने राज्य के वरिष्ठ नेताओं से संपर्क तेज कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस नेतृत्व ने पूर्व प्रदेश अध्यक्षों समेत कई बड़े नेताओं को दिल्ली बुलाया है, जिससे अगले मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति बन सके। कांग्रेस आलाकमान केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से संपर्क साध रहा है। केरल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है। के. सुधाकरन आज रात दिल्ली पहुंचेंगे। अन्य नेता भी दिल्ली आ रहे हैं। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, आज के. मुरलीधरन और मुल्लापल्ली रामचंद्रन से संपर्क किया गया है।

विधायकों ने आलाकमान को सौंपा है फैसला? राज्य के सभी नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायकों ने मिलकर एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम उठाया है और अपनी तरफ से गेंद आलाकमान के पाले में डाल दी है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की केरल प्रभारी दीपा दासमुंशी ने जानकारी दी है कि सभी कांग्रेस विधायकों ने एक पंक्ति के प्रस्ताव (वन-लाइन रेजोल्यूशन) पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।

बंगाल में शुभेंदु कैबिनेट के विभागों का बंटवारा: दिलीप घोष बने पंचायत मंत्री, अग्निमित्रा को भी अहम मंत्रालय

नईदिल्ली,11 मई । पश्चिम बंगाल में नई सरकार के गठन के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अपने मंत्रिमंडल के विभागों का बंटवारा कर दिया है। सोमवार को हुई इस अहम घोषणा में भाजपा के कई वरिष्ठ नेताओं को बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस बंटवारे में दिलीप घोष और अग्निमित्रा पॉल जैसे बड़े चेहरों को महत्वपूर्ण विभाग दिए गए हैं, जिससे राज्य के विकास की रूपरेखा तय होगी।

मंत्री का नाम	विभाग / मंत्रालय
दिलीप घोष	ग्रामीण विकास (पंचायत) और प्राणी विकास विभाग
अग्निमित्रा पॉल	महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय, नगर निगम
निशीथ प्रमाणिक	उत्तर बंगाल विकास विभाग, युवा कल्याण एवं खेल विभाग
क्षुदीराम टुडू	आदिवासी विकास मंत्रालय
अशोक कीर्तनिया	खाद्य विभाग

दिलीप घोष और अग्निमित्रा पॉल को कौन से विभाग मिले?

मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट में विभागों का वितरण करते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष को ग्रामीण विकास (पंचायत) और प्राणी विकास विभाग की कमान सौंपी है। वहीं, अग्निमित्रा पॉल को महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय के साथ-साथ नगर निगमों का महत्वपूर्ण प्रभार भी दिया गया है। इन दोनों नेताओं को अहम पद देकर सरकार ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं। खेल मंत्रालय की जिम्मेदारी किसे मिली?

मंत्रिमंडल में उत्तर बंगाल के विकास को भी विशेष तवज्जो दी गई है। निशीथ प्रमाणिक को उत्तर बंगाल विकास विभाग का मंत्री बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें युवा कल्याण और खेल विभाग का जिम्मा भी सौंपा गया है। इससे उत्तर बंगाल के इलाकों में विकास कार्यों को तेजी मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

आदिवासी विकास का जिम्मा किसे सौंपा गया?

राज्य के आदिवासी समाज के विकास के लिए भी सरकार ने खास ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने क्षुदीराम टुडू को आदिवासी विकास मंत्री नियुक्त किया है। उनका मुख्य काम आदिवासी बहुल क्षेत्रों में योजनाओं को पहुंचाना और उनके अधिकारों की रक्षा करना होगा।

खाद्य विभाग की जिम्मेदारी किसे दी गई?

कैबिनेट के इस विस्तार में अशोक कीर्तनिया को भी अहम भूमिका दी गई है। उन्हें खाद्य विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनके कंधों पर राज्य में खाद्य आपूर्ति को सुचारू रखने और राशन व्यवस्था को ठीक करने का काम होगा। इस तरह सभी मंत्रियों को उनके विभाग सौंप दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव 13 मई को नरसिंहपुर से 1835 करोड़ की राशि का अंतरण

1.25 करोड़ लाड़ली बहनों को मिलेगी 36वीं किश्त

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 13 मई को मध्यप्रदेश की करोड़ों महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता और सम्मान के लिये नरसिंहपुर जिले के गोटेगांव में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक भूमिका मजबूत हुई है।

योजना की शुरुआत से अब तक सशक्तिकरण की यात्रा निरंतर जारी

वर्ष 2023 जून में शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी लाड़ली बहना योजना में अप्रैल 2026 तक 35 मासिक किस्तों का सफलतापूर्वक अंतरण किया जा चुका है। मई 2026 में जारी की जा रही राशि योजना की 36वीं किश्त जारी होगी। जून 2023 से

अप्रैल 2026 तक महिलाओं के खातों में कुल 55,926.51 करोड़ रूपये की राशि सीधे डीबीटी के माध्यम से जमा की जा चुकी है।

राशि में क्रमिक वृद्धि: 1,000 से बढ़कर 1,500 रूपये प्रतिमाह

योजना के प्रारंभ में प्रत्येक पात्र महिला को 1,000 रूपये प्रतिमाह प्रदान किए जाते थे। अक्टूबर 2023 में इसे बढ़ाकर 1,250 रूपये प्रतिमाह किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुन: वृद्धि कर इसे 1,500 रूपये प्रतिमाह कर दिया गया। सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत कम राशि प्राप्त करने वाली महिलाओं को भी इस योजना के माध्यम से अतिरिक्त सहायता देकर कुल देय राशि सुनिश्चित की जा रही है।

महिला कल्याण के लिए वित्तीय प्रतिबद्धता

लाड़ली बहना योजना पर राज्य सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 14,726.05 करोड़ रूपये, वर्ष 2024-25 में 19,051.39 करोड़ रूपये तथा वर्ष 2025-26 में 20,318.53 करोड़ रूपये की राशि व्यय की गई। वर्ष 2026-27 में अप्रैल 2026 तक 1830.54 करोड़ रूपये की राशि दी गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए लाडली बहना योजना में 23,882.81 करोड़ रूपये का बजट प्रावधान किया गया है, जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के प्रति सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

करोड़ों महिलाओं के जीवन में आया व्यापक परिवर्तन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में महिला कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित की है। यह केवल आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में व्यापक और सकारात्मक परिवर्तन आए है। नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के प्रबंधन में अधिक आत्मनिर्भर बनाया है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक प्रभावी ढंग से खर्च कर पा रही है। योजना से प्राप्त राशि ने अनेक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्व-रोजगार गतिविधियों से जुड़ने के लिये प्रेरित किया है। इससे उनकी आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हुए है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ महिलाओं को परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है और उनकी राय को अधिक महत्व मिलने लगा है। बैंक खातों में सीधे राशि अंतरण की व्यवस्था ने महिलाओं को औपचारिक बैंकिंग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ा है।

ई-प्रवेश में विद्यार्थियों का बढ़ा उत्साह, अंकड़ा पहुंचा 1.10 लाख के पार

भोपाल । उच्च शिक्षा विभाग के ई-प्रवेश पोर्टल पर शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विद्यार्थियों का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते कुछ दिनों में पंजीयन की गति में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। सोमवार 11 मई 2026 तक कुल पंजीयन का आंकड़ा 1,10,079 तक पहुंच गया है। बतादें कि स्नातक पाठ्यक्रमों में 71,716, स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में 15,273 तथा एनसीटीई पाठ्यक्रमों में 23,090 पंजीयन प्राप्त हुए हैं। विद्यार्थियों द्वारा चॉइस फिलिंग में भी तेजी देखी जा रही है, जहां अब तक 75,017 विद्यार्थियों ने अपनी पसंद के महाविद्यालय एवं पाठ्यक्रम चयनित किए हैं। वहीं 56,240 आवेदनों का सत्यापन पूर्ण हो चुका है। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क, मार्गदर्शन एवं दस्तावेज सत्यापन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। विभागीय अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग एवं प्रचार-प्रसार गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, जिससे विद्यार्थियों में ई-प्रवेश प्रक्रिया के प्रति सकारात्मक वातावरण बना है। उच्च शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि प्रथम चरण के पंजीयन की अंतिम तिथि 15 मई 2026 से पूर्व अपनी प्रवेश संबंधी समस्त प्रक्रिया पूर्ण कर लें।

संक्षिप्त समाचार

दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क पर मध्यप्रदेश की बड़ी कार्रवाई

भोपाल । मध्यप्रदेश में वन एवं वन्यजीव संरक्षण को लेकर लगातार प्रभावी और परिणामोन्मुखी प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में वन अपराधों पर नियंत्रण और जैव-विविधता संरक्षण के लिए आधुनिक तकनीक, अंतर्राज्यीय समन्वय तथा अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों के सहयोग से कार्रवाई को लगातार मजबूत किया जा रहा है। इसी दिशा में मध्यप्रदेश वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी से जुड़े एक अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा करते हुए महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की है।

एसटीएसएफ द्वारा की गई विस्तृत जांच और एकत्रित साक्ष्यों के आधार पर इंटरपोल मुख्यालय फ्रांस ने बांग्लादेश के फरार आरोपी अल हज शफीकुल इस्लाम रहमान तालुकदार उर्फ रेमंड तालुकदार के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया है। यह कार्रवाई वन्यजीव अपराधों के विरुद्ध मध्यप्रदेश की सक्रिय और प्रभावी रणनीति को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिली बड़ी मान्यता के रूप में देखी जा रही है।

स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स ने जुलाई-2025 में मुरैना जिले में कार्रवाई करते हुए घड़ियाल के 30 बच्चे, 17 रेड-क्राउन्ड रूफ्ड टर्टल तथा 19 थ्री-स्ट्राइप्ड रूफ्ड टर्टल बरामद किए थे। इस मामले में वन अपराध प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। विवेचना में सामने आया कि यह संगठित गिरोह दुर्लभ जलीय वन्यजीवों की तस्करी कर पश्चिम बंगाल के रास्ते बांग्लादेश भेजता था, जहां से इन्हें म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया सहित दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देशों में सप्लाई किया जाता था। मध्यप्रदेश की एसटीएसएफ ने अन्य राज्यों में भी समन्वित कार्रवाई करते हुए इस प्रकरण में अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मार्च 2026 में देश के बड़े जलीय वन्यजीव तस्करों में शामिल तारकनाथ घोष को कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ, डिजिटल इनपुट और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर गिरोह के मुख्य सरगना के रूप में बांग्लादेश निवासी तालुकदार की भूमिका सामने आई। इसके बाद एसटीएसएफ द्वारा एकत्रित ठोस साक्ष्यों के आधार पर न्यायालय से गिरफ्तारी वारंट प्राप्त किया गया तथा केंद्र सरकार और इंटरपोल के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की गई। वन विभाग के सतत प्रयासों के परिणामस्वरूप इंटरपोल ने 29 अप्रैल 2026 को आरोपी के विरुद्ध रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया।

सिटी बसें बीमार, यात्रियों से लगवा रहे धक्का, 350 में से सिर्फ 50 बसें सड़कों पर, सफर बना सजा

राजधानी की पब्लिक ट्रांसपोर्ट व्यवस्था पूरी तरह पटरी से उतरती नजर आ रही है। कभी शहर की सड़कों पर दौड़ने वाली 350 बीसीएलएल बसों का बेड़ा अब सिमटकर करीब 50 बसों तक पहुंच गया है। हालत यह है कि जो बसें चल रही हैं, वे भी बीच रास्ते में जवाब दे रही हैं। ताजा मामले में एक सिटी बस सड़क पर अचानक बंद हो गई, जिसके बाद यात्रियों को खुद उतरकर बस में धक्का लगाना पड़ा। बीच सड़क बंद हुई बस, यात्रियों ने संभाला मोर्चा

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में यात्री बस को धक्का देकर सड़क किनारे करते नजर आ रहे हैं। इस घटना ने राजधानी की बदहाल बस सेवा की पोल खोल दी है। लोगों का कहना है कि रोजाना बसों के खराब होने से सफर करना मुश्किल होता जा रहा है।यात्रियों और स्थानीय लोगों का आरोप है कि बसों का समय पर मेंटेनेंस नहीं हो रहा। कई बसें लंबे समय से गैरेज में खड़ी-खड़ी कबाड़ बन चुकी हैं, जबकि जर्जर बसों को अब भी सड़कों पर दौड़ाया जा रहा है। इससे पहले भी चलते समय बसों से धुआं निकलने और तकनीकी खराबी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

बस स्टॉप पर घंटों इंतजार, ऑटो वालों की चांदी

बसों की भारी कमी का असर अब सीधे यात्रियों पर पड़ रहा है। बोर्ड ऑफिस,

मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से सोमवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में पश्चिम मध्य रेलवे ,जबलपुर के महाप्रबंधक श्री दिलीप कुमार सिंह ने सौजन्य भेंट की।

1 जुलाई से मध्यप्रदेश में लागू होगा विकसित भारत अधिनियम जी राम जी

भोपाल । प्रदेश में एक जुलाई 2026 से विकसित भारत जी राम जी अधिनियम पूरी तरह से लागू हो जाएगा। अधिनियम के लागू होने से अब वर्ष भर में 125 दिन का रोजगार मिलेगा। इससे न सिर्फ ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि अधोसंरचनात्मक विकास को भी गति मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका एवं अधोसंरचनात्मक विकास के दृष्टिगत भारत सरकार द्वारा विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम-जी) अधिनियम-2025 को हाल ही अधिसूचित किया गया है। यह अधिनियम प्रदेश में एक जुलाई 2026 से लागू हो जाएगा। प्रदेश में विकसित भारत जी राम जी अधिनियम लागू होने के साथ मनरेगा अधिनियम स्वत: ही निरस्त हो जाएगा। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम ग्रामीण विकास के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन है जो विकसित भारत @2047 के ग्रामीण विजन के अनुरूप एक समेकित रूप में भविष्य उन्मुख एवं उत्पादकता आधारित ग्रामीण विकास में ढांचागत परिवर्तन कर एक नए युग की शुरुआत करता है। अधिनियम के अंतर्गत प्रत्येक ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य जो अकुशल कार्य करने के इच्छुक हैं उनके लिए एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन के रोजगार का प्रावधान किया गया है। इससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि के साथ आजीविका की सुरक्षा को मजबूती प्राप्त होगी। अधिनियम के प्रावधानों में श्रमिकों द्वारा कार्य की मांग करने पर उसे समय सीमा में कार्य उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है, अन्यथा उसे श्रमिक बेरोजगारी भत्ता पाने का हक होगा। अधिनियम के तहत कार्य करने वाले श्रमिकों को समय सीमा में प्रत्यक्ष भुगतान प्रणाली (डायरेक्ट बेनीफिट ट्रान्सफर-डीबीटी) के माध्यम से उनके बैंक अथवा डाकघर खातों में भुगतान किया जाना अनिवार्य किया गया है।

मेपकास्ट में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का हुआ कार्यक्रम

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद भोपाल में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर विज्ञान, नवाचार एवं आधुनिक तकनीकों को प्रोत्साहन देने के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भोपाल के 27 शिक्षण संस्थानों के लगभग 300 विद्यार्थी एवं शिक्षक शामिल हुए। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक बताया। मेपकास्ट के कार्यकारी संचालक डॉ. विवेक कटारे ने कहा कि प्रदेश में 'डीप टेक रिसर्च एवं डिस्कवरी सेंटर' स्थापित किया जाएगा, जो विभिन्न क्षेत्रों के लिए आवश्यक नई तकनीकों के विकास में सहयोग करेगा। वर्तमान समय में हर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ़ रहा है। ग्रासरूट इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए सरकार, वैज्ञानिक संस्थानों, उद्योगों और स्थानीय समुदायों के समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि खनन, पर्यावरण संरक्षण और कम लागत वाली तकनीकों के विकास में ग्रासरूट टेक्नोलॉजी की अहम भूमिका है। कार्यक्रम में प्रिंसिपल साइंटिस्ट डॉ. विकास शेन्डे ने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं तकनीकी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। उद्योगपति एवं मोटिवेशनल वक्ता डॉ. राजीव अग्रवाल ने विद्यार्थियों को नवाचार, नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास के विषय में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग लोकहित में होना चाहिए। डॉ. अग्रवाल ने 'हंसा-3' प्रशिक्षण विमान एवं 'त्रिशूल' मिसाइल प्रणाली जैसी स्वदेशी तकनीकों की जानकारी देते हुए भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने 11 मई 1998 को पोखरण में हुए परमाणु परीक्षण को भारत की वैज्ञानिक क्षमता का ऐतिहासिक प्रतीक बताया।

मध्यप्रदेश की बेटियों का सटीक निशाना : राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का गौरव बढ़ाया

खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में आयोजित '24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप (राइफल इवेंट्स)' के अंतर्गत आज 50 मीटर राइफल प्रोन (वुमेन) स्पर्धाओं का सफल एवं रोमांचक आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर से आई महिला निशानेबाजों ने उच्च स्तरीय प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा, एकाग्रता एवं तकनीकी दक्षता का शानदार परिचय दिया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें मध्यप्रदेश राज्य शूटिंग अकादमी की खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश को गौरवान्वित किया। अकादमी की युवा निशानेबाजों ने अनुशासन, आत्मविश्वास एवं सटीक निशानेबाजी का परिचय देते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई।

जूनियर महिला वर्ग में प्रथा राठौड़ ने साधा कांस्य पदक पर निशाना

50 मीटर राइफल प्रोन जूनियर महिला वर्ग में म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी की प्रतिभाशाली खिलाड़ी कु. प्रथा राठौड़ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अर्जित किया। प्रथा ने प्रतियोगिता में 617.6 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान हासिल किया। पूरे मुकाबले के दौरान उन्होंने निरंतर संतुलित एवं प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए अपनी तकनीकी दक्षता और मानसिक मजबूती का परिचय दिया।

प्रदेश ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर बनाया परिवार का हिस्सा : मुख्यमंत्री डॉ.यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती ने चीतों को अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराकर , उन्हें पुनर्स्थापित करने का महत्वपूर्ण कार्य कर अपने परिवार का हिस्सा बनाया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले कूनो में चीता प्रोजेक्ट की शुरुआत की थी। आज देश में चीता पुनर्स्थापना का यह प्रोजेक्ट सफलता के साथ में आयामों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इस महत्वपूर्ण कार्य में मध्यप्रदेश नित नए कीर्तिमान रच रहा है। यह बात उन्होंने श्योपुर जिले के कूनो नेशनल पार्क में 2 मादा चीतों को खुले जंगल में विमुक्त करते हुए कही।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कूनो नदी के किनारे स्थित चीता रिलीज साइट पर सीसीबी -2, सीसीबी -3 चीतों को खुले जंगल में छोड़ा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश धर्म, निवेश एवं जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका और अब बोत्सवाना से लाए गए चीतों के पुनर्स्थापन को निरंतर सफलता मिल रही हैं और आज

प्रदेश ने देशभर में चीता स्टेट के रूप में पहचान बनाई है। वर्तमान में चीतों की संख्या 57 है, जिनमें से 54 कूनो नेशनल पार्क में और 03 गांधी सागर अभ्यारण्य में हैं।

इस अवसर पर नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, मध्यप्रदेश वन विकास निगम के अध्यक्ष श्री रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष श्रीमती गुड्डी बाई आदिवासी, श्री शशांक भूषण, श्री राघवेन्द्र जाट, श्री सुमित सिंघल, श्री शुभम मुदगल, श्री बाबू सिंह यादव, श्री कौशल गोयल आदि जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। पीसीसीएफ श्रीमती समिता राजौरा , डीआईजी श्री संजय कुमार जैन, कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा, पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर कुमार अग्रवाल, डीएफओ कुनो श्री आर थिरूकुराल, सामान्य श्री केएस रंधा, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती सौम्या आनंद, एडीएम श्री रूपेश उपाध्याय, एडिशनल एसपी श्री प्रवीण भूरिया सहित अन्य अधिकारी भी कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित थे।

आधुनिक तकनीकों ने बदली किसान श्री केहर सिंह चौहान की जिंदगी

टीकमगढ़ जिले के विकासखंड बल्देवगढ़ के ग्राम बनपुरा खुर्द के प्रगतिशील किसान श्री केहर सिंह चौहान ने आधुनिक खेती अपनाकर यह साबित कर दिया है कि सही मार्गदर्शन और नई तकनीकों के उपयोग से खेती को लाभकारी व्यवसाय बनाया जा सकता है। पहले वे परंपरागत तरीके से एक एकड़ में गेहूं की खेती करते थे, जिससे लगभग छह माह में केवल 30 से 35 हजार रुपये की आय होती थी। सीमित आमदनी के कारण परिवार की जरूरतों को पूरा करना कठिन हो रहा था। इसके बाद उन्होंने उद्यानिकी विभाग की प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं कृषि विभाग की आत्मा योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन प्राप्त किया। राज्य के बाहर कृषि भ्रमण के दौरान उन्होंने तरबूज सहित उद्यानिकी फसलों की उन्नत खेती के बारे में जानकारी ली। वापस आकर उन्होंने अपने खेत में ड्रिप सिंचाई एवं मल्चिंग तकनीक का उपयोग करते हुए तरबूज की खेती शुरू की। आधुनिक तकनीकों के उपयोग से मात्र दो माह में ही एक एकड़ से लगभग 2 लाख रुपये की आय प्राप्त हुई। इससे

हैंडलूम एक्सपो 2026 का सफल समापन, चंदेरी-महेश्वरी-बनारसी बने आकर्षण का केंद्र : राज्यमंत्री श्री जायसवाल

कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि गौहर महल में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो-2026 का 10 मई को सफल समापन हुआ। यह एक्सपो मध्यप्रदेश की समृद्ध हथकरघा परंपरा और 'नए भारत की नई खादी' का जीवंत प्रतीक बना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'स्वदेशी के लिए मुखर' और 'स्थानीय से वैश्विक' मंत्र को इस एक्सपो ने साकार किया।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम द्वारा आयोजित इस एक्सपो में देशभर से आए 60 से अधिक बुनकरों और शिल्पकारों ने अपने हुनर का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि एक्सपो में चंदेरी, महेश्वरी, बनारसी, भागलपुरी रेशम, कलमकारी, मधुबनी प्रिंट और हाथ से तैयार सूती एवं रेशमी वस्त्रों ने खासा आकर्षण बटोरा। पारंपरिक डिजाइनों और हस्तनिर्मित वस्त्रों की बारीकी ने स्थानीय लोगों के साथ बाहर से आए पर्यटकों को भी प्रभावित किया।

एक्सपो में मध्यप्रदेश सहित बिहार, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, उड़ीसा, झारखंड, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक के बुनकरों ने अपनी पारंपरिक वस्त्र कलाओं को प्रदर्शित किया। एक्सपो में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, संगीत संध्या और बुनकर कार्यशालाओं का आयोजन किया गया, जिसने आयोजन को और अधिक जीवंत बना दिया।

राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि कला और संस्कृति के इस संगम में बुनकरों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय का अवसर मिला, वहीं शहरवासियों को देश की विविध हथकरघा परंपराओं को करीब से जानने और समझने का अवसर प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि 'अपना हाथ - अपना साथ' की भावना से म.प्र. खादी एवं ग्रामोद्योग मंडल के 'विन्ध्या वैली' और 'कबीरा' नाम भी बुनकरों के उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने में मदद कर रहे हैं।

होर्मुज में फिर बढ़ेगा तनाव?: 'सीजफायर बहुत कमजोर स्थिति में'; डोनाल्ड ट्रंप को पसंद नहीं आया ईरान का प्रस्ताव

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ चल रहे संघर्ष विराम (सीजफायर) को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह सीजफायर अब बहुत कमजोर स्थिति में है और लाइफ सपोर्ट पर टिका हुआ है। ट्रंप ने यह बयान उस समय दिया जब उनसे ईरान के साथ चल रही शांति प्रक्रिया और प्रस्ताव को लेकर सवाल पूछा गया था। ट्रंप ने ठुकराया ईरान का जवाब

ट्रंप ने ईरान के हालिया जवाब को खारिज करते हुए उसे पूरी तरह अस्वीकार्य बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने ईरान के प्रस्ताव को पढ़ा और वह बिल्कुल भी स्वीकार करने योग्य नहीं है। ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए ट्रंप ने कहा कि अमेरिका पर किसी तरह का दबाव नहीं है और देश पूरी जीत की ओर बढ़ रहा है। शांति प्रयासों के बावजूद बढ़ा तनाव

ईरान और अमेरिका के बीच पिछले कुछ महीनों से शांति बहाली की कोशिशें जारी हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। फरवरी 28 से शुरू हुए संघर्ष के बाद कई क्षेत्रों में तनाव बढ़ा है। अप्रैल में दोनों पक्षों के बीच अस्थायी सीजफायर पर सहमति बनी थी, लेकिन स्थिति अब भी स्थिर नहीं है।

शांति प्रस्ताव पर तेहरान की शर्तें

ईरानी सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान ने अपने जवाब में युद्ध रोकने की बात कही है। ईरान चाहता है कि लेबनान सहित सभी मोर्चों पर संघर्ष विराम हो। साथ ही, उसने होर्मुज में जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की शर्त रखी है। अमेरिका ने पहले यह प्रस्ताव दिया था कि अन्य संवेदनशील मुद्दों जैसे परमाणु कार्यक्रम पर चर्चा करने से पहले दोनों देश शत्रुता समाप्त करें।

परमाणु कार्यक्रम और प्रतिबंधों पर विवाद

अमेरिका लगातार ईरान से अपने यूरेनियम संवर्धन कार्यक्रम को पूरी तरह खत्म करने की मांग कर रहा है। इसके बदले में प्रतिबंध हटाने और फ्रीज किए गए धन को रिलीज करने की बात कही गई है। वार्ता में होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने का मुद्दा भी शामिल है, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है। इस रास्ते से दुनिया के करीब 20% कच्चे तेल की आपूर्ति होती है।

वैश्विक बाजारों पर असर की आशंका

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर स्थिति और बिगड़ती है तो इसका असर तेल आपूर्ति और कीमतों पर पड़ सकता है।

दक्षिण कोरिया के बौद्ध मंदिर में पहली बार पेश किया गया मानवरूपी रोबोट भिक्षु गाबी

सियोल, मई। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के एक बौद्ध मंदिर में पहली बार मानवरूपी रोबोट भिक्षु को पेश किया गया है। गाबी नाम का यह रोबोट बुद्ध जयंती समारोह से पहले आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुआ। रोबोट ने भिक्षुओं के साथ मंत्र पढ़े, लोगों को प्रणाम किया और सवालों के जवाब भी दिए। पारंपरिक भिक्षु वस्त्र पहने इस रोबोट को खास तौर पर युवा पीढ़ी को बौद्ध धर्म और आधुनिक तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से तैयार किया गया है।

4 फुट ऊंचे इस रोबोट को चीन के यूनिट्री- जी1 प्लेटफॉर्म पर बनाया गया है। कार्यक्रम के दौरान एक भिक्षु ने उससे पूछा कि क्या वह बुद्ध और बौद्ध शिक्षाओं का पालन करेगा। इसके जवाब में गाबी ने हां कहा। रोबोट ने प्रार्थना में हाथ जोड़े, मंदिर की परिक्रमा की और धार्मिक माला भी ग्रहण की। हालांकि, पारंपरिक धूप जलाने की रस्म इसमें शामिल नहीं की गई। मंदिर के अनुसार गाबी नाम करुणा और बुद्ध के विचारों से जुड़ा हुआ है।

मंदिर प्रशासन ने गाबी के लिए धार्मिक नियम तैयार किए हैं। इनमें जीवन का सम्मान करना, किसी को नुकसान न पहुंचाना और गलत जानकारी से बचना जैसी बातें शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप की हत्या की कोशिश के मामले में आरोपी की पेशी, कोर्ट में कहा- मैं निर्दोष हूं

अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन में व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन डिनर पर हुए हमले के मामले में बड़ा मोड़ आ गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की कोशिश करने के आरोपी कोल टोमस एलन ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया है। इस हमले ने पूरे अमेरिका को झकझोर दिया था, क्योंकि आरोपी हथियारों और चाकुओं के साथ उस कार्यक्रम में घुस गया था जहां देश के बड़े नेता, अधिकारी और मीडिया से जुड़े लोग मौजूद थे। घटना के बाद अमेरिका की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वॉशिंगटन की फेडरल कोर्ट में सोमवार को आरोपी कोल टोमस एलन की पेशी हुई। अदालत में वह हथकड़ी और बेड़ियों में लाया गया था और उसने जेल की नारंगी यूनिफॉर्म पहन रखी थी। सुनवाई के दौरान उसने कुछ नहीं कहा। उसकी तरफ से उसके वकील ने अदालत में 'नॉट गिल्टी' यानी खुद को निर्दोष बताया। अधिकारियों के मुताबिक, एलन पर आरोप है कि उसने 25 अप्रैल को वॉशिंगटन हिल्टन होटल में आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान सुरक्षा घेरा तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की और उसे रोकने आए एक सीक्रेट सर्विस अधिकारी पर शॉटगन से गोली चला दी। क्या आरोपी के वकीलों ने जांच पर सवाल उठाए?

सुनवाई के दौरान आरोपी के वकीलों ने अमेरिकी न्याय विभाग के बड़े अधिकारियों को इस केस से अलग करने की मांग की। बचाव पक्ष का कहना है कि कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश और अमेरिकी अटॉर्नी जीनिन पिरो उस कार्यक्रम में मौजूद थे। ऐसे में वे इस मामले में गवाह या पीड़ित माने जा सकते हैं। आरोपी के वकील यूजीन ओहम ने अदालत से कहा कि इस वजह से हितों का टकराव पैदा हो सकता है। उन्होंने यह भी संकेत दिए कि वे जीनिन पिरो के पूरे कार्यालय को इस केस से अलग करने की मांग कर सकते हैं। हालांकि जज ट्रेवर मैकफैडन ने इस पर तुरंत कोई फैसला नहीं सुनाया और बचाव पक्ष से विस्तृत जानकारी मांगी। हमले के दौरान आखिर क्या हुआ था?

अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, 25 अप्रैल को वॉशिंगटन हिल्टन होटल में देश का चर्चित मीडिया कार्यक्रम चल रहा था। तभी आरोपी सुरक्षा जांच पार करते हुए अंदर घुस गया। जब सीक्रेट सर्विस अधिकारियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने अचानक शॉटगन से फायरिंग कर दी। गोली एक अधिकारी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे उसकी जान बच गई। इस घटना के बाद कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई और आयोजन को तय समय से पहले खत्म करना पड़ा।

उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते पर चलेगा महाभियोग; संसद में प्रस्ताव पास

मॉस्को, मई। फिलीपींस की उपराष्ट्रपति के खिलाफ प्रतिनिधि सभा ने भारी बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। उन पर अकूत संपत्ति, सरकारी धन के दुरुपयोग और राष्ट्रपति की हत्या की धमकी देने के आरोप हैं। आइए विस्तार से जानते हैं। फिलीपींस की उपराष्ट्रपति सारा दुतेर्ते के खिलाफ सोमवार को देश की प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने भारी बहुमत से महाभियोग प्रस्ताव पारित कर दिया। उन पर अकूत संपत्ति रखने, सरकारी धन के दुरुपयोग और राष्ट्रपति की हत्या की धमकी देने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस के सहयोगियों के प्रभाव वाले निचले सदन में महाभियोग प्रस्ताव के पक्ष में 255 सांसदों ने मतदान किया, जबकि 26 सांसद विरोध में रहे। वहीं नौ सांसदों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

किन आरोपों में घिरी हैं सारा दुतेर्ते? सारा दुतेर्ते पर आरोप है कि उन्होंने उपराष्ट्रपति कार्यालय और शिक्षा मंत्रालय के गोपनीय फंड का गलत इस्तेमाल किया। उन पर सरकारी धन के हिसाब-किताब में पारदर्शिता नहीं रखने और बड़ी मात्रा में संदिग्ध संपत्ति अर्जित करने के आरोप भी लगे हैं।

ब्रिटेन ने रूस पर नया प्रतिबंध लागू करते हुए कई व्यक्तियों और संगठनों को निशाना बनाया है।

बांग्लादेश में खसरा का प्रकोप बढ़ने से 300 मौत, 24 घंटे में 12 की जान गई

ढाका मई। बांग्लादेश में खसरा का प्रकोप बढ़ रहा है। यह 61 जिलों में फैल चुका है और मरीजों की संख्या 45,000 से अधिक हो गई है। रिपोर्ट

के मुताबिक, गुरुवार को आई रिपोर्ट में पता चला कि पिछले 24 घंटे में बीमारी से 12 बच्चों ने दम तोड़ दिया है। इनमें 5 मौत राजधानी ढाका में दर्ज की गई है। बांग्लादेश में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ने बताया कि देशभर में मौत का आंकड़ा 300 से अधिक हो गया है। बांग्लादेश में 15 मार्च से खसरा के मरीज मिलना शुरू हुए हैं, जिसकी अभी तक रोकधाम नहीं हुई।

मेक्सिको के मेला मैदान में लगी भीषण आग, 5 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी, मई। मेक्सिको के तबस्को राज्य में स्थित विलाहेरमोसा शहर में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां मैदान में लगे एक मेले में भीषण आग लग गई, जिसकी चपेट में आकर 5 लोगों की मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ, जब हजारों लोगों की भीषण मेले के एक संगीत कार्यक्रम में मौजूद थी। आग लगने के बाद अफरा-तफरी मच गई और कई लोग घायल हो गए। घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है, जिसमें भगदड़ दिख रही है।

सूत्रों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम बुधवार रात को शुरू हुआ था, जिसमें करीब 1.35 लाख लोग शामिल हुए थे।

कोहिनूर को लेकर न्यूयार्क के मेयर का बड़ा बयान, भारत को लेकर कह डाली ये बात

न्यूयॉर्क , मई ,। उपनिवेश-विरोधी बयानों से सुर्खियों में रहने वाले न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि अगर ब्रिटेन के किंग चार्ल्स उनसे मिलते, तो वे उनसे कोहिनूर हीरा भारत को लौटाने के लिए कहते। उन्होंने कहा कि कोहिनूर हीरा ब्रिटिश शासन द्वारा भारत से की गई लूट का प्रतीक बन चुका है। ममदानी के इस बयान को उपनिवेशवाद के इतिहास और उससे जुड़े मुद्दों पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जा रहा है। ममदानी बुधवार (स्थानीय समय) को 9/11 हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए आयोजित एक समारोह के दौरान किंग चार्ल्स ढ्ढढ्ढ से मिले।

ब्रिटेन ने रूस पर लगाए नए प्रतिबंध, शत्रुतापूर्ण गतिविधियों के लिए 85 व्यक्तियों-संस्थाओं पर की कार्रवाई

ब्रिटेन ने रूस पर नया प्रतिबंध लागू करते हुए कई व्यक्तियों और संगठनों को निशाना बनाया है। ब्रिटिश सरकार का आरोप है कि रूस दुष्प्रचार, चुनावी हस्तक्षेप और यूक्रेनी बच्चों के कथित निर्वासन जैसी गतिविधियों में शामिल है। इसके साथ ही ब्रिटेन ने यूक्रेनी बच्चों की पहचान और वापसी के प्रयासों के लिए अतिरिक्त आर्थिक सहायता की भी घोषणा की है। ब्रिटेन ने रूस की कथित हर स्तर पर दुश्मनी से भरी और घिनौनी गतिविधियों के खिलाफ नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। इन प्रतिबंधों के तहत 85 व्यक्तियों और संस्थाओं को सीधे तौर पर निशाना बनाया गया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय ने कहा कि नए प्रतिबंधों का उद्देश्य क्रेमलिन के कथित दुष्प्रचार और सूचना युद्ध अभियानों पर रोक लगाना है। ब्रिटेन का आरोप है कि रूस यूक्रेनी बच्चों के जबरन निर्वासन और सैन्यीकरण के साथ-साथ आर्मेनिया के आगामी चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश कर रहा है। ब्रिटेन चुप नहीं बैठेगा :विदेश मंत्री कूपर इंग्लैंड की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने कहा कि ब्रिटेन रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा विदेशों में झूठ और और क्रेमलिन समर्थक नैरेटिव फैलाने की कोशिशों को चुपचाप नहीं देखेगा। उन्होंने आगे कहा, 'आज के प्रतिबंध इस बात को उजागर करने और बाधित करने की दिशा में एक मजबूत कदम हैं कि रूस लोकतंत्र में हस्तक्षेप करने और उसे कमजोर करने के लिए कितनी गहराई तक जाने को तैयार है। यूक्रेनी बच्चों के घिनौने निर्वासन और ब्रेनवॉशिंग के माध्यम से यूक्रेन के भविष्य को नष्ट करने के लिए।' प्रतिबंध सूची में सोशल डिजाइन एजेंसी (एसडीए) से जुड़े 49 लोग शामिल हैं। इनमें लेखक, अनुवादक और वीडियो निर्माता शामिल बताए गए हैं, जिन पर क्रेमलिन समर्थित प्रचार अभियान चलाने का आरोप है।

सोने की चमक फीकी, खाद्य तेल पस्त: पीएम मोदी की 'बचत' अपील से क्यों सदमे में हैं कारोबारी?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पश्चिम एशिया संकट के प्रतिकूल प्रभावों से अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए पेट्रोल/डीजल का कम इस्तेमाल, सोना की एक साल तक खरीदारी नहीं करने, रासायनिक उर्वरक में रसानिक खाद्य के साथ जैविक खाद्य अपनाने और खाद्य तेल की खपत कम करने और अनावश्यक विदेश यात्राओं से बचने की अपील की है। उनका बयान ऐसे समय में आया है, जब कच्चे तेल और सोने का भारत के आयात खर्चों में सबसे बड़ा हिस्सा है और इससे भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस आह्वान के बाद सोमावार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध ज्वेलरी कंपनियों के शेयर में गिरावट देखी साथ ही ज्वेलर्स संगठन और मुंबई सरार्फा बाजार से काफी मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। वहीं खाद्य तेल की कीमतें अधिक होने की वजह से पहले से ही मांग में 10 प्रतिशत से अधिक की गिरावट देखी जा रही है। इस अपील के बाद कारोबार पर और दबाव देखने को मिल सकता है। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन

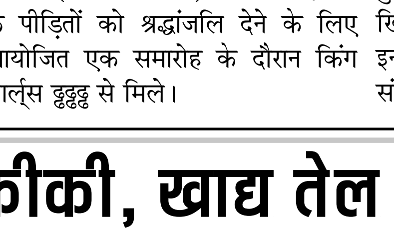

(आईबीजेए) के राष्ट्रीय सचिव सुरेंद्र मेहता ने अमर उजाला डॉटकॉम को बताया कि प्रधानमंत्री की इस अपील का असर कारोबार पर पड़ेगा और 5 प्रतिशत तक मांग में कमी आएगी। ऐसा नहीं है कि सोने की खरीदारी पूरी तरह बंद हो जाएगी लेकिन इसका असर मांग पर पड़ेगा। वे कहते पहले से ही सोने और चांदी कीमतें अधिक होने की वजह से सोने की मांग कम है।

कारोबार में फंडिंग की समस्या बढ़ेगी

मेहता कहते, इससे कारोबार पर असर पड़ेगा, लेकिन सबसे अधिक असर कारोबार में फंडिंग पर होगा। क्योंकि सोने की कीमतें अधिक होने की वजह से मांग पहले से ही कम है और अब जब प्रधानमंत्री स्वंय सोने की खरीदारी को कम करने के लिए कह रहे हैं, ऐसे में कारोबारी बैंक में अपनी लोन की लिमिट बढ़ाने के लिए जाएगा, तो बैंक उसकी लिमिट बढ़ाने के लिए हिचकिचा सकते हैं। उद्योग की सबसे बड़ी चुनौती मुझे लगता है, फडिंग की समस्या है, जो बढ़ सकती है।

बुलियन इकोसिस्टम से जुड़े 3.5 करोड़ लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती

ऑल इंडिया ज्वेलर्स एंड गोल्डस्मिथ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज अरोड़ा कहते हैं, प्रधानमंत्री की इस अपील से ज्वेलरी और बुलियन इकोसिस्टम से जुड़े 3.5 करोड़ लोगों की आजीविका प्रभावित हो सकती है। जिसमें 6 लाख ज्वेलरी दुकानों में जिसमें 2 लाख हॉलमार्क रजिस्ट्रर है और बाकी 4 लाख छोटे दुकानदार, सुनार हैं। इसके अलावा कारीगर, मैन्युफैक्चर्स, होलसेलर्स, रिफाइनर सहित डिजाइनर और दैनिक मजदूर इससे जुड़े हुए हैं। वे कहते हैं, अमेरिका द्वारा लगाए भारत पर टैरिफ शुल्क, पश्चिम एशिया में तनाव जिसकी वजह से सोने की तेज कीमतों की वजह से सरार्फा बाजार में पिछले एक साल में कारोबार 80 प्रतिशत तक प्रभावित है।

हंता वायरस: समुद्री जहाज पर हुई मानव से मानव में फैलने वाले एंडीज स्ट्रेन की पुष्टि

प्रिटोरिया, मई। अटलांटिक महासागर में पर्यटक जहाज एमवी होंडियस पर फैले हंता वायरस के संक्रमण के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। उपचार के लिए दक्षिण अफ्रीका के अस्पताल में भर्ती कराए गए एक मरीज की जांच में उसका हंता वायरस के एंडीज स्ट्रेन से संक्रमित होना पाया गया है। यह एकमात्र ऐसा स्ट्रेन है जो इंसान से इंसान में फैलता है। दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। इस स्ट्रेन को लेकर दुनियाभर में चिंता बढ़ गई है।

हंता वायरस का यह प्रकोप एमवी होंडियस नाम के जहाज पर सामने आया है, जिसे ओशनवाइड एक्सपीडिशंस कंपनी चलाती है। इस जहाज 20 मार्च को 170 यात्रियों के साथ अर्जेंटीना के उशुआइया से सफर शुरू किया था और उसे 4 मई को केप वर्डे पहुंचना था। इस दौरान जहाज पर हंता वायरस का संक्रमण फैल गया है। इससे अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। इस जहाज की लंबाई लगभग 107.6 मीटर बताई जा रही है।

दक्षिण अफ्रीका के स्वास्थ्य मंत्री आरोन मोत्सोलेदी ने संसदीय समिति को

ठग सुकेश के मनी लॉन्ड्रिंग केस में जैकलीन को झटका; अभिनेत्री की सरकारी गवाह बनने की मांग का ईडी ने किया विरोध

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिंस ने ठग सुकेश चंद्रेशेखर के 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सरकारी गवाह बनने की मांग की थी। उन्होंने बीते महीने इसे लेकर अदालत में याचिका दायर की थी। मगर, इस मामले में उनकी याचिका का ईडी ने विरोध किया है। ईडी ने अभिनेत्री को ठगी में बराबरी की भागीदार बताया है। ईडी ने कहा- 'ठग के इतिहास से वाकिफ थीं'

ईडी ने जैकलीन की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वे पीड़ित नहीं हैं। वे महाठग के अतीत से वाकिफ थीं, इसके बावजूद तोहफे स्वीकार किए। सुकेश चंद्रशेखर की क्राइम हिस्ट्री के बारे में जानकारी होने के बाद भी वे उसके संपर्क में रही। ईडी ने कहा कि जैकलीन को गवाह का दर्जा देना न्याय का उल्लंघन होगा और अपराध की गंभीरता को कम कर देगा। पीड़ित होने का दावा सबूतों से बिल्कुल उलट है'

ईडी ने दिल्ली की एक अदालत को बताया कि उनके खिलाफ पर्याप्त सबूत मौजूद हैं। प्रवर्तन निदेशालय (श्चष्ठ) ने सोमवार को अदालत को बताया कि जैकलीन फर्नांडीज सुकेश चंद्रशेखर के आपराधिक बैकग्राउंड से पूरी तरह वाकिफ थीं, फिर भी उन्होंने उसके साथ अपना रिश्ता बनाए रखना चुना। महंगे तोहफे कबूल किए और गैर-कानूनी तरीके से कमाए गए पैसों का कुछ हिस्सा भी इस्तेमाल किया। ईडी ने 200 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एक्ट्रेस की सरकारी गवाह बनने की अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि खुद को पीड़ित बताने का उनका दावा, रिकॉर्ड पर मौजूद सबूतों के बिल्कुल उलट है।

जैकलीन ने क्या कहा था?

जैकलीन ने हाल ही में दिल्ली की एक अदालत को बताया कि वह इस मामले में सरकारी गवाह बनना चाहती हैं। यह कदम सुप्रीम कोर्ट द्वारा उनके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने से इनकार किए जाने के महीनों बाद उठाया गया है। चंद्रशेखर, जो फिलहाल कई मामलों के सिलसिले में जेल में बंद हैं, लगातार यह दावा करता रहा है कि वह इस अभिनेत्री का बॉयफ्रेंड है।

संपादकीय

उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गया

अमेरिका ने ऐसा रुख अपनाया है, जैसे दोनों पक्षों के बीच युद्ध कभी हुआ ही नहीं हो! उधर ईरान का नजरिया है कि 39 दिन के युद्ध ने समीकरण बदल दिए हैं और वह अपनी बात मनवाने की स्थिति में है।

ईरान और अमेरिका/ इजराइल के शांति समझौते की दिशा में बढ़ने की जागी उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गया। ईरान के होरमुज डलडमरूमध्य को फिर से बंद करने के बाद अब दोनों तरफ से मोर्चाबंदी तेज होने की खबरें हैं। लेबनान में युद्धविराम लागू होने और उसके बाद ईरान के होरमुज जल मार्ग को खोलने का एलान करते ही जिस तरह डॉनल्ड ट्रंप ने ताबड़तोड़ सोशल मीडिया पोस्ट डाले, संकेत हैं कि उनसे बात फिर बिगड़ गई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संभवत: वैसे दावे भी कर दिए, जिन पर सहमति नहीं बनी थी और जिनसे ईरान के समर्पण कर देने का संदेश जाता था।

नतीजतन, ईरान ने जवाबी कार्रवाई कर दी। वैसे भी दोनों पक्षों के आकलन में खाई इतनी चौड़ी है कि किसी जल्द समाधान की गुंजाइश नहीं बनती। पहले इस्लामाबाद में हुई प्रत्यक्ष वार्ता और फिर पाकिस्तान की मध्यस्थता में जारी परोक्ष बातचीत में अमेरिका ने इस तरह रुख अपनाया है, जैसे दोनों पक्षों के बीच युद्ध कभी हुआ ही नहीं हो! उधर ईरान का नजरिया ऐसा है कि 39 दिन के युद्ध ने समीकरण बदल दिए हैं और अब वह अपनी बातें मनवाने की स्थिति में है। ईरान इस नतीजे पर था कि उसके दबाव में अमेरिका ने लेबनान में युद्धविराम के लिए इजराइल को मजबूर किया। इसके बाद होरमुज जल मार्ग को सशर्त खोल कर उसने अगली सौदेबाजी की जमीन तैयार की।

मगर, ट्रंप ने होरमुज की नौसैनिक घेराबंदी जारी रखने का एलान कर ईरान के इस कदम को निष्प्रभावी कर दिया। साथ ही उन्होंने दावा किया कि ईरान अपना संवर्धित यूरेनियम किसी अन्य देश को सौंपने पर राजी हो गया है। संकेत हैं कि इससे ईरान में इस्लामी रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आआरजीसी) और सख्त रुख रखने वाले अन्य समूहों में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इससे कूटनीतिक नजरिया अपना रहे ईरानी अधिकारी सख्त रुख अपनाने पर मजबूर हो गए। इस तरह फिर से युद्ध का साया लौट आया है। ये लड़ाई दुनिया में गंभीर किस्म का ऊर्जा एवं आर्थिक संकट पहले ही खड़ा कर चुकी है। अब ये फिर तेज हुई, तो संकट और भयानक रूप ग्रहण कर सकता है।

सु-दोकू क्र.035

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम
1. कुल 81 वर्ग हैं, जिनमें 9 वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. आड़े, खड़े और नौ के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1 से 9 अंकों में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

सू-दोकू क्र.034 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गयासोमनाथ से सिंदूर तकः पुनरुत्थानशील भारत की भावना

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध- स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक — भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुन: स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान- सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं।

आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।

नई चुनौतियों पर विजय-जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृ?ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का ज़ोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दर्शाती हैं।

सोमनाथ की कहानी अंततः राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास्?तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

व्यापार

अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से तेल कीमतों में 10 प्रतिशत तक गिरावट

वॉशिंगटन मई ,। अमेरिका और ईरान खाड़ी क्षेत्र के तनाव को खत्म करने के लिए किसी समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। इससे होर्मुज स्ट्रेट में लंबे समय तक रुकावट की चिंता कुछ कम हुई। इस खबर के बाद तेल की कीमतों में बुधवार को एक समय करीब 10 प्रतिशत तक गिरावट देखी गई।

अमेरिका का बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) शुरुआती कारोबार में करीब 10 प्रतिशत तक गिरा, लेकिन बाद में थोड़ा संभलकर लगभग 94.32 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड करीब 7 प्रतिशत गिरकर लगभग 102.14 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

बाद में ब्रेंट क्रूड करीब 103 डॉलर और डब्ल्यूटीआई लगभग 96 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहा था, क्योंकि निवेशक खाड़ी में तनाव कम होने के संकेतों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे।

बाजार में यह तेजी एक्सियोस की एक रिपोर्ट के बाद आई, जिसमें कहा गया कि वॉशिंगटन और तेहरान एक छोटे से समझौते पर सहमत होने के करीब हैं, जिसका मकसद फरवरी के आखिर में शुरू हुए इस टकराव को खत्म करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि अगले 48 घंटों में बड़ी प्रगति हो सकती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका %प्रोजेक्ट फ्रीडम% को रोक रहा है। यह एक नौसैनिक अभियान था, जिसे इस हफ्ते की शुरुआत में शुरू किया गया था ताकि जलडमरूमध्य से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा की जा सके। रिपोर्ट के अनुसार, इस अभियान के बाद ईरान ने व्यापारिक जहाजों और अमेरिकी नौसेना पर नए हमले भी किए थे।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि अगर ईरान पहले से तय बातों को मान लेता है, तो यह टकराव खत्म हो सकता है और होर्मुज स्ट्रेट सभी के लिए खुला रहेगा, जिसमें ईरान भी शामिल है।

उन्होंने ईरान को चेतावनी भी दी कि अगर समझौता नहीं हुआ, तो फिर बमबारी शुरू हो सकती है, और पहले से ज्यादा तेज और बड़े स्तर पर हो सकती है।

हालांकि बाजार में थोड़ी राहत दिखी, लेकिन खाड़ी क्षेत्र में तनाव अभी भी बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, बुधवार को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की कोशिश कर रहे जहाजों को ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड ने चेतावनी दी कि रास्ता अभी भी बंद है।

वैश्विक बाजारों में तेजी और चुनावी नतीजों के जोश में झूम उठा शेयर बाजार, रियल्टी और आईटी में जमकर हो रही खरीदारी

मुंबई ,। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजों की गहमागहमी और वैश्विक बाजारों में मजबूती से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत सोमवार को सकारात्मक हुई। सेंसेक्स 343.77 अंक या 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 77,257.27 और निफ्टी 66 अंक या 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,063.55 पर था।

शुरुआती कारोबार में रियल्टी और आईटी शेयरों में खरीदारी देखी गई। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी टॉप गेनर था। निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी फार्मा के साथ करीब सभी सूचकांक हरे निशान में थे।

सेंसेक्स पैक में मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एलएंडटी, एमएंडएम, इंडिगो, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस, टाटा स्टील, एसबीआई, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, बजाज फिनसर्व, इन्फोसिस, सन फार्मा, टाइटन और टेक महिंद्रा गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, टीसीएस, इटरनल, एचसीएल टेक, आईटीसी, बीईएल और भारती एयरटेल लूजर्स थे।

लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी तेजी बनी हुई है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 442 अंक या 0.74 प्रतिशत की तेजी के साथ 60,226 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 128 अंक या 0.72 प्रतिशत की तेजी के साथ 18,136 पर था।

ईपीएफओ सदस्यों की हुई बल्ले-बल्ले, अब एटीएम और यूपीआई से निकाल सकेंगे पीएफ का पैसा, जानें कितना मिलेगा कैश

नई दिल्ली मई ,। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के करीब 8 करोड़ सब्सक्राइबर्स के लिए एक बेहद शानदार और राहत भरी खबर है। अब आपको अपने प्रोविडेंट फंड (क्क्न) का पैसा निकालने के लिए लंबे कागजी झमेलों और दिनों का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। जल्द ही आप अपने पीएफ खाते से एटीएम (ृञ्जरू) और यूपीआई के जरिए भी पैसा निकाल सकेंगे। ईटी नाउ के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस नई सुविधा के मई 2026 के अंत तक पूरी तरह से लाइव होने की उम्मीद है। ईपीएफओ डैशबोर्ड के आंकड़े बताते हैं कि वर्तमान में संगठन के 7.98 करोड़ से ज्यादा सदस्य हैं, जिनमें से 7.74 करोड़ लोगों की आधार-सत्यापित केवाईसी (चङ्घष्ट) पूरी हो चुकी है। ईपीएफओ ने अपने डिजिटल ढांचे को आधुनिक बनाने और प्रक्रियाओं को तेज करने के लिए पिछले साल ही 'श्वक्कस्नह्र 3.0' सिस्टम लॉन्च किया था। यह नया और पूरी तरह से यूजर-फ्रेंडली सिस्टम साल 2026 के मध्य तक पूरी तरह से लागू हो जाएगा। इस सिस्टम का मुख्य उद्देश्य पीएफ से जुड़ी सभी प्रक्रियाओं को सरल बनाना और सदस्यों को आसान पहुंच प्रदान करना है। इसके तहत अब ऑटो-क्लेम सेटलमेंट और सदस्य की पसंद के किसी भी बैंक खाते में सीधे फंड ट्रांसफर करने जैसी सुविधाएं और भी आसान हो जाएंगी। इस बड़े अपग्रेड के बाद पीएफ निकासी का तरीका पूरी तरह बदल जाएगा। ईपीएफओ अपने सब्सक्राइबर्स को सीधे उनके पीएफ खाते से लिंक एक डेडिकेटेड एटीएम कार्ड जारी करेगा। इस कार्ड का इस्तेमाल करके सदस्य देश के किसी भी एटीएम से अपनी जरूरत के हिसाब से पीएफ का पैसा निकाल सकेंगे। इसके साथ ही, यूपीआई (क्चढ्ढ) के जरिए भी अपने बैंक खाते में पीएफ बैलेंस ट्रांसफर करने की सुविधा मिलेगी। हालांकि, निकासी की एक अधिकतम सीमा भी तय की गई है। नए नियमों के अनुसार, सदस्य यूपीआई या एटीएम के जरिए अपने कुल पीएफ बैलेंस का अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा ही निकाल सकेंगे।

इस नई सुविधा का लाभ कौन उठा सकता है?

एटीएम और यूपीआई से पीएफ निकालने की इस नई सुविधा का लाभ उठाने के लिए सदस्यों को कुछ जरूरी शर्तें पूरी करनी होंगी। सबसे पहले, उनका यूनिवर्सल अकाउंट नंबर (ृह्र) पूरी तरह से एक्टिव होना चाहिए। इसके अलावा,ृह्र के साथ सभी जरूरी केवाईसी डॉक्यूमेंट्स जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, बैंक खाता नंबर और ढ्डस्नस्ष्ट कोड का लिंक होना अनिवार्य है।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर तकनीकी नवाचार का समन्वय करना

11 मई को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस - 'विज्ञान टेक', भारत द्वारा 1998 में किए गए सफल पोखरण-द्धद्ध परमाणु परीक्षणों के जरिए प्राप्त ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि का कीर्तिगान करता है। यह अवसर भारत की विकास यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा विज्ञान, समाज और उद्योग के समन्वय के प्रति राष्ट्र की निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

पिछले एक दशक में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का तकनीकी इकोसिस्टम अभूतपूर्व विकास का साक्षी रहा है, जो त्वरित नवाचार, विस्तारित डिजिटल अवसंरचना तथा उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति से परिलक्षित होता है। आत्मनिर्भरता तथा वैज्ञानिक नवाचारों को वास्तविक दुनिया में प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है। क्वांटम संचार, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा तथा जलवायु के प्रति लचीली प्रणालियों जैसे अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जैव-निर्माण विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो जैविक प्रणालियों के माध्यम से उच्च-मूल्य वाले जैव-उत्पादों, टीकों, ईंधनों और सामग्रियों के उत्पादन द्वारा सतत नवाचार, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सशक्त जैव-अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाती है। चंद्रयान-3 मिशन में भारत की सफलता तथा हाल की उपलब्धियाँ, जैसे कलपक्कम स्थित स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकलिटी प्राप्त करना, रणनीतिक क्षेत्रों में देश की प्रगति और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और अधिक रेखांकित करती हैं।

यह प्रगति विभिन्न प्रमुख राष्ट्रीय मेट्रिक्स में भी परिलक्षित होती है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत ने अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है और वर्ष 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2025 में 38वें स्थान पर पहुँच गया है। देश में स्वीकृत पेटेंटों की संख्या भी 2014-15 में कुछ हजार से बढ़कर 2025 में लगभग 1.5 लाख तक पहुँच गई है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेज़ी से विस्तारित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें लगभग पंद्रह हजार स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स तथा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। यह परिवर्तन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विस्तार में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ गैर-जीवाश्म स्रोतों से ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। साथ ही, देश की जैव-अर्थव्यवस्था ने भी एक दशक में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 195 बिलियन डॉलर तक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। पिछले एक दशक में सरकार द्वारा लागू किए गए नीतिगत सुधारों ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें स्टार्टअप और इनक्यूबेशन इकोसिस्टम का त्वरित विस्तार, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को निजी कंपनियों के लिए खोलना, तथा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति तथा हाल ही में प्रारंभ किए गए 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष जैसे सक्षम ढाँचों की स्थापना शामिल है। इन पहलों ने भारत की नवाचार संरचना को सुदृढ़ किया है और वैज्ञानिक उपलब्धियों को सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव में परिवर्तित करने पर फोकस को और मजबूत किया है। अब विज्ञान प्रयोगशालाओं से बाज़ारों तक और विचारों से वास्तविक प्रभाव तक पहुँच रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भोपाल में भारत-ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज का आगाज़ 15 मई से

राजा भोज एयरपोर्ट पहुंचीं भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें, खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने किया स्वागत

भोपाल 11 मई । खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के तत्वावधान में भोपाल में आयोजित होने जा रही भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर-18 हॉकी सीरीज के लिए भारतीय एवं ऑस्ट्रेलियाई जूनियर टीमें आज राजधानी भोपाल पहुंचीं। राजा भोज एयरपोर्ट पर दोनों देशों के खिलाड़ियों एवं कोचिंग स्टाफ का खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। खिलाड़ियों को पारंपरिक तरीके से शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की गई।

यह अंतरराष्ट्रीय हॉकी श्रृंखला 15 मई से 20 मई 2026 तक भोपाल स्थित उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर में आयोजित की जाएगी। सीरीज में भारतीय और ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 पुरुष एवं महिला टीमें आमने-सामने होंगी। यह प्रतियोगिता आगामी एशिया कप की तैयारियों के दृष्टिगत बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिसमें युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव प्राप्त होगा।

भोपाल में होंगे रोमांचक मुकाबले

श्रृंखला के अंतर्गत पुरुष वर्ग के मुकाबले 15 मई, 17 मई, 18 मई एवं 20 मई को खेले जाएंगे। वहीं महिला वर्ग के मैच भी इन्हीं तिथियों में आयोजित होंगे। सभी मुकाबले उधव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल सेंटर, भोपाल में होंगे।

मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी के खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

इस अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में मध्यप्रदेश हॉकी अकादमी, भोपाल के कुल 10 खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष टीम में आयुष रजक, अंश बहुत्रा, करण गौतम, अवि माणिकपुरी, सिद्धार्थ बेन और गाज़ी खान शामिल हैं। वहीं महिला टीम में स्नेहा दावड़े, महक परिहार, नम्मी गीताश्री और नौशीन नाज़ भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। घरेलू मैदान पर खेलने को लेकर खिलाड़ियों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

प्रदेश में खेल अधोसंरचना का बढ़ता प्रभाव

भोपाल में लगातार राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के सफल आयोजन से मध्यप्रदेश देश के प्रमुख खेल केंद्रों में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। आधुनिक खेल सुविधाओं, उत्कृष्ट प्रशिक्षण व्यवस्था और खेल अकादमियों की बदौलत प्रदेश के खिलाड़ी लगातार राष्ट्रीय टीमों में स्थान बना रहे हैं।

खेल मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने दी शुभकामनाएं

मध्यप्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने सभी खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह श्रृंखला प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा ऐसे आयोजन युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।

मई अंत में जापान में होगा -18 एशिया कप मुकाबला

-18 एशिया कप 2026 इस महीने के अंत में जापान के काकामिगाहारा में आयोजित किया जाएगा। हॉकी इंडिया और अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (स्न्ह्ढ॥) के कैलेंडर के अनुसार, इस टूर्नामेंट में एशिया की शीर्ष जूनियर टीमें हिस्सा लेंगी और यह युवा खिलाड़ियों के लिए सीनियर स्तर तक पहुंचने का अहम प्लेटफॉर्म माना जाता है।

प्रदेश पुलिस ने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर बनाई विशेष पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिये 101 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित

- सुशासन के मार्ग पर चलने में सरकार का अहम हिस्सा है पुलिस
- मध्यप्रदेश पुलिस की धाक और साख प्रशंसनीय
- प्रतिवर्ष प्रदान किये जाये प्रोत्साहन पुरस्कार
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिस विभाग के पुरस्कारों की राशि बढ़ाने की दी मंजूरी
- पुलिसकर्मियों के कल्याण का ध्यान रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी
- पुलिस सेवा में भर्ती प्रक्रिया को किया जा रहा है तेज
- वर्ष 2019-20 और 2020-21 के लिये 101 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी सम्मानित
- दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियानों, साम्प्रदायिक सद्भाव और कानून व्यवस्था बनाये रखने में योगदान देने वालों को किया गया पुरस्कृत

भोपाल 11 मई । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारी और कर्मचारियों ने अपने अटूट साहस और कर्तव्यनिष्ठा के बल पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। पुलिस सुशासन के मार्ग पर चलने में सरकार का अहम हिस्सा है। राज्य की शांति और सुरक्षा व्यवस्था देशभक्ति और जनसेवा में समर्पित पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को सम्मानित कर मैं स्वयं गर्व का अनुभव कर रहा हूँ। यह पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता, योग्यता और क्षमता का ही परिणाम है कि उन्हें के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। मध्यप्रदेश पुलिस ने जिस प्रकार से धाक और साख बनाई है वह निश्चित ही प्रशंसनीय है। पुलिस विभाग में जो भी नवाचार किया जाना है, राज्य सरकार का पूर्ण सहयोग उसके साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश की शांति और सुरक्षा के लिए असधारण कार्य करने वाले पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को वर्ष 2019-2020 और 2020-2021 के लिए रवीन्द्र भवन में आयोजित के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और उनके परिजन उपस्थित थे।

पुलिसकर्मियों को उनके जिले में आवास उपलब्ध कराये जायेंगे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज 2 वर्ष के पुरस्कार एक साथ दिये जा रहे है। कर्तव्यनिष्ठा और असाधारण कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिये जाने वाले यह पुरस्कार आगामी वर्षों में प्रति वर्ष प्रदान किये जायें। यह सुनिश्चित किया जाये कि पुरस्कार वितरण में भविष्य में विलंब न हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस विभाग द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की राशि बढ़ाने को मंजूरी दी गई है। पुलिस महानिदेशक (डीजी) स्तर पर पहले 25 हजार रूपये तक के पुरस्कार दिए जाते थे, जिसे अब बढ़ाकर 50 हजार रूपये कर दिया गया है, जिससे उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का और अधिक उत्साहवर्धन हो सके। उन्होंने कहा कि हमारे पुलिसकर्मियों को उनके जिले में पात्रता अनुसार आवास उपलब्ध कराने के लिए हाउसिंग बोर्ड एवं संबंधित प्राधिकरणों से समन्वय कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएंगी। पुलिसकर्मी समाज की सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहते हैं, इसलिए उनके कल्याण का ध्यान रखना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुलिसकर्मियों की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनके समर्पण के लिये मेरे मन में विशेष स्नेह और सम्मान का भाव है।

वर्ष 2026 की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होते ही अगले वर्ष की प्रक्रिया होगी आरंभ

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुलिस सेवा में भर्ती प्रक्रिया को तेज किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक युवा पुलिस बल से जुड़कर जन-कल्याण, सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने में अपनी भूमिका निभा सकें। वर्ष 2026 की भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होते ही अगले वर्ष की भर्ती प्रक्रिया आरंभ कर दी जायेगी। उन्होंने कहा कि जिला बल में पुलिस बैंड के लिये भी भर्ती प्रक्रिया आरंभ की गई है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश नया दौर देख रहा है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय मंत्री श्री अमित शाह ने वर्ष 2026 तक देश से नक्सली उन्मूलन का संकल्प लिया था। हमने वह लक्ष्य डेडलाइन से पहले ही पूरा कर लिया। पुलिस का प्रत्येक जवान इसकी बधाई का पात्र है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की इच्छाशक्ति के बलबूते पर ही देश नक्सली समस्या से मुक्त हो पाया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश नया दौर देख रहा है और केन्द्रीय गृह मंत्री श्री शाह के प्रयासों से हम देश में सकारात्मक बदलाव का अनुभव कर रहे हैं।

पद्मविभूषण के.एफ. रुस्तमजी पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा पुंज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कर्तव्यनिष्ठ पुलिस अधिकारी पद्मविभूषण के.एफ. रुस्तमजी का स्मरण करते हुए कहा कि वे पुलिस कर्मियों के लिए प्रेरणा पुंज रहेंगे। प्रदेश में चम्बल के बीहड़ों से डाकुओं के गिरोहों का सफाया कर जनता को भयमुक्त करने का अभूतपूर्व कार्य किया। उन्होंने हर चुनौती का बखूबी सामना किया। रुस्तमजी के मार्गदर्शन में ही सीमा सुरक्षा बल की नींव रखी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रदेश की सुरक्षा में प्राण प्रण से जुटे 101 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए के.एफ रुस्तम पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। यह पुरस्कार उन वीरों को मिल रहे है, जिन्होंने दस्यु उन्मूलन, नक्सल विरोधी अभियानों और साम्प्रदायिक सदभाव बनाये रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

सायबर क्राइम की चुनौती से भी प्रभावी तौर पर निपटेगी मध्यप्रदेश पुलिस

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्तमान में सायबर क्राइम के रूप में अपराध का एक नया चेहरा हमारे सामने है, जिसमें अपराधी सॉफ्टवेयर से हमला कर रहे है। सायबर क्राइम की इस चुनौती का सामना करने के लिए हमें बौद्धिक और तकनीकी श्रेष्ठता की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश पुलिस अपनी गौरवशाली परंपरा को कायम रखते हुए, दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प के आधार पर साइबर क्राइम की चुनौती से भी प्रभावी तौर पर निपटेगी और अपनी प्रतिष्ठा को बनाये रखेगी।

परम विशिष्ट-अतिविशिष्ट तथा विशिष्ट श्रेणी में दिये गये पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि रुस्तमजी पुरस्कार के अंतर्गत परम विशिष्ट श्रेणी में सम्मानित अधिकारियों को सम्मान स्वरूप 5-5 लाख रुपये अथवा रिवॉल्वर/गन तथा अतिविशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत2-2 लाख रुपये अथवा रिवॉल्वर/गन प्रदान की जा रही है। विशिष्ट श्रेणी के अंतर्गत 50 हजार रुपये और प्रमाण-पत्र प्रदान किये जा रहे है।

वर्तमान समय में कम्युनिटी पुलिसिंग निभा रही है अहम भूमिका

पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना ने कहा कि के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 2013 में की गई थी। अब तक 418 पुलिस अधिकारियों को यह पुरस्कार प्रदान किया जा चुका है। दस्यु उन्मूलन, कानून व्यवस्था और अपराध नियंत्रण सहित अन्य कार्यों के लिए यह पुरस्कार दिया जाता है।

पुलिस महानिदेशक श्री मकवाना ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में हमारा पुलिस बल प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा में अहम योगदान दे रहा है। मध्यप्रदेश पुलिस ने अनेक उपलब्धियां भी हासिल की हैं। इसमें 11 दिसंबर 2025 को प्रदेश को नक्सलवाद से मुक्त कराना और डायल 112 सेवा का क्रियान्वयन शामिल है। पिछले साल कुल साढ़े 8 हजार पदों पर पुलिस भर्ती की स्वीकृति प्राप्त हुई है। कॉन्स्टेबल भर्ती की प्रक्रिया पूर्ण हो गई है और सिपाहियों को ज्वाइनिंग दी जा रही है। सिंहस्थ-2028 एक बड़ा आयोजन होगा, इसके लिए पुलिस बल को प्रशिक्षण देकर जमीनी स्तर पर तैनात करना बहुत आवश्यक है। इसके लिए तैयारियां जारी हैं। वर्तमान समय में कम्युनिटी पुलिसिंग अहम भूमिका निभा रही है, जनभागीदारी से म.प्र. पुलिस ने पिछले साल 'नशे से दूरी है जरूरी' अभियान का सफल क्रियान्वयन किया, लाखों की संख्या में प्रदेशवासी इस अभियान का हिस्सा बने। अगले 3 वर्षों में प्रदेश को नारकोटिक ड्रग्स से पूर्णतः मुक्त करने का लक्ष्य है। वर्तमान दौर में प्रदेश पुलिस नई तकनीक से लैस हो रही है। सायबर अपराध से निपटने के लिए ई-जीरो एफआईआर की शुरुआत की गई है। हमारे पुलिस अधिकारी और कर्मचारी अपराध नियंत्रण के लिए समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2019-20 के रुस्तमजी पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2019-20 का के.एफ. रुस्तमजी पुरस्कार परम विशिष्ट श्रेणी में तत्कालीन जोनल पुलिस अधीक्षक, विशेष शाखा, जिला इन्दौर हाल पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त इन्दौर श्री राजेश सहाय, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, जिला नरसिंहपुर हाल सेवानिवृत्त महिला सुरक्षा, जबलपुर श्री राजेश तिवारी, तत्कालीन उप निरीक्षक थाना मझगवां, जिला सतना श्री ओम प्रकाश चौंगडे हाल कार्यवाहक निरीक्षक जिला बडवानी को पुरस्कार प्रदान किया गया है। अति विशिष्ट श्रेणी में श्री मनोज शर्मा, निरीक्षक, अनुभाग 3, विशेष शाखा, मुख्यालय भोपाल, सुश्री ज्योति तिवारी, तत्कालीन महिला आरक्षक, अ.अ.वि. (विशेष किशोर इकाई), जिला सागर हाल कार्यवाहक प्रधान आरक्षक जिला सागर को प्रदान किया गया। विशिष्ट श्रेणी में श्रीमती शालिनी दीक्षित, तत्कालीन सहायक पुलिस महानिरीक्षक, महिला अपराध शाखा, पुलिस मुख्यालय भोपाल हाल अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-3 नगरीय पुलिस भोपाल, श्री संदेश कुमार जैन, तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सायबर क्राईम, जिला पुलिस बल, भोपाल हाल पुलिस अधीक्षक, रेडियो भोपाल हाल प्रतिनियुक्ति,ढ्ढद्धस्र्स भोपाल, श्री विनय प्रकाश पॉल सहायक पुलिस महानिरीक्षक, विशेष शाखा पुलिस मुख्यालय भोपाल, श्री विक्रम सिंह. तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, बीना, जिला सागर हाल जिला मउगंज, श्री ममतेश कुमार माली, तत्का. उप पुलिस अधीक्षक, एटीएस मुख्यालय, भोपाल हाल पुलिस अधीक्षक, पी.टी.एस. (एम.टी.) भोपाल सहित कुल 43 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

वर्ष 2020-21 के रूस्तमजी पुरस्कार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्ष 2021-22 के के.एफ. रूस्तमजी पुरस्कार, परम विशिष्ट श्रेणी में श्री अपूर्व भलावी, तत्का. अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), परसवाड़ा, जिला बालाघाट हाल लखनादौन सिवनी, श्री पंकज कर्मा, तत्का, निरीक्षक, एटीएस इकाई, उज्जैन हाल एटीएस इकाई, खण्डवा, श्री मनीष जारवाल, निरीक्षक, एटीएस इकाई, उज्जैन, श्री विजय वास्कले, तत्का. उप निरीक्षक, थाना प्रभारी, टाण्डा, जिला धार हाल कार्यवाहक निरीक्षक, जिला अलीराजपुर को तथा अति विशिष्ट श्रेणी में श्री गोपाल प्रसाद खाण्डेल, तत्का. अति. पु.अ. शहर, जिला जबलपुर हाल सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक, पीटीएस सागर, श्री वैभव श्रीवास्तव, तत्कालीन अतिरिक्त पु.अ., राज्य सायबर, पुलिस मुख्यालय भोपाल हाल सहायक पुलिस महानिरीक्षक, एटीएस मुख्यालय भोपाल, श्रीमती भावना मरावी, तत्कालीन अनु. अधिकारी (पुलिस), सीहोरा, जिला जबलपुर हाल अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रेल जबलपुर,श्री अवधेश सिंह भदौरिया, तत्कालीन उप निरीक्षक, थाना विरसा, जिला बालाघाट हाल कार्यवाहक निरीक्षक, थाना प्रभारी हनुमानगंज भोपाल,श्री सुनील मिश्रा, तत्का. आरक्षक, एटीएस मुख्यालय, भोपाल हाल कार्यवाहक प्रधान आरक्षक एटीएस मुख्यालय, भोपाल श्री अनिल रावत, आरक्षक, एटीएस मुख्यालय, भोपाल को प्रदान किये गये। विशिष्ट श्रेणी श्रीमती गीता चौहान, तत्का. उपुअ पीटीसी, इन्दौर हाल अति. पुलिस अधीक्षक, पीटीसी इन्दौर, श्री दुर्गेश आर्मी, तत्का. उ.पु.अ. लांजी, जिला बालाघाट हाल नगर पुलिस अधीक्षक, जावरा रतलाम, श्री रामशंकर सिलावट उप पुलिस अधीक्षक, एटीएस इकाई, इन्दौर, श्री अभिनव कुमार बारंगे, तत्का. अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) भितरवार, जिला ग्वालियर हाल नगर पुलिस अधीक्षक, जिला खण्डवा सहित कुल 39 अधिकारियों और कर्मचारियों को पुरस्कार से सम्मानित किया।

उपार्जन से कोई किसान न छूटे, सभी किसानों का पात्रता अनुसार गेहूँ क्रय किया जाए

भोपाल 11 मई । हरदा जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के जिले में सुव्यवस्थित इंतजाम रहें। कोई भी पात्र किसान गेहूँ बेचने से न छूटे। उपार्जन केन्द्रों पर किसानों को असुविधा न हो। जिले में उपार्जन कार्य की प्रतिदिन समीक्षा की जाए। जनजागरूकता कार्यक्रम चलाकर किसानों को आश्वस्त किया जाए कि उनके गेहूँ की खरीदी अवश्य होगी। मंत्री श्री सारंग सोमवार को हरदा जिला कलेक्ट्रेट में जिला विकास सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए संबोधित कर रहे थे। बैठक में केंद्रीय जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गादास उइके, विधायक डॉ. आर.के. दोगने, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, पूर्व कृषि मंत्री श्री कमल पटेल, पूर्व विधायक टिमरनी श्री संजय शाह सहित समिति के सदस्य उपस्थित थे। मंत्री श्री सारंग ने जिले में आगामी सीजन में सुगमता से उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आगामी वर्ष से ग्राम पंचायत स्तर पर भी उर्वरक वितरण करने की योजना बनाई जा रही है, जिससे किसानों को सुगमता से उर्वरक उपलब्ध हो सकेगा। खनिज विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होने कहा कि जिले में कहीं भी खनिज का अवैध उत्खनन अथवा परिवहन न हो। खनिज का अवैध धंधा करने वालों में पुलिस का खौफ रहे। वे स्वयं इसका औचक निरीक्षण करेंगे। आगामी दो माह में वनभूमि से समस्त अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा शासकीय भूमि से आगामी तीन माह में सभी तरीके के अतिक्रमण हटाने के लिये अधिकारियों को पाबंद किया गया। श्री सारंग ने बैठक में विद्युत की सुचारू आपूर्ति के निर्देश दिये गये। साथ ही पशुपालन विभाग को जिले में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने एवं नई समितियों का गठन करने के लिये निर्देशित किया गया। जल संसाधन विभाग अंतर्गत मूंग की फसल में सिंचाई के पानी की आपूर्ति की जानकारी ली गई। स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान मंत्री ने कहा कि परीक्षा परिणामों में अपेक्षित सुधार लाया जाए। सांदीपनी स्कूलों के प्रारंभ होने के बाद शिक्षा व्यवस्था में हुए बदलाव का अध्ययन किया जाए। उन्होने कहा कि सभी स्कूलों में बच्चों के अनियमित उपस्थिति के कारणों का भी विश्लेषण किया जाए। मंत्री ने निर्देश दिये कि सार्वजनिक अधोसंरचनाओं के लिये सुगम पहुँच मार्ग उपलब्ध रहें, यह भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होने कहा कि विधायक एवं सांसद निधि से ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध कराये गये पानी के टैंकर ग्राम पंचायतों में ही खड़े हो, इस बात का भौतिक सत्यापन किया जाए। सड़क निर्माण से संबंधित विभागों को प्रत्येक सड़क पर सड़क निर्माण का वर्ष, ग्यारंटी की अवधि एवं ठेकेदार का नाम व मोबाइल नम्बर अंकित करने के निर्देश दिये गये। मण्डी निधि से निर्माणाधीन सड़कों में आ रही अड़चनों को चिन्हित कर हल करने के निर्देश दिये गये। जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत स्कूल प्रारम्भ होने के पूर्व छात्रावासों की स्थिति का निरीक्षण करने के लिये भी विभागीय अधिकारियों को पाबंद किया गया। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिये गये कि ग्रीष्मकाल के दौरान पेयजल की आपूर्ति सुचारू रहे। समस्यामूलक गांवों में पानी की समस्या हल करें। सड़क निर्माण से संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया कि जो सड़कें खराब हो गई है, उनके उन्नयन के प्रस्ताव तैयार किये जाएं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़कों की गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। ग्यारंटी अवधि में सड़कों का संधारण नहीं होने पर संबंधित ठेकेदार की नियमानुसार राशि राजसात की जाए। जो सड़के ग्यारंटी से बाहर हो गई है, उनके उन्नयन के प्रस्ताव तैयार किये जाएं। आपूर्ति विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देशित किया गया कि जिले में राशन वितरण से संबंधित उपभोक्ताओं को शिकायत न हो।

आईसीसी की वार्षिक पुरुष वनडे रैंकिंग में भारत 'नंबर-1', पाकिस्तान को झटका

आईसीसी ने सोमवार को पुरुषों की ताजा वनडे रैंकिंग जारी की है, जिसमें भारत 'नंबर-1' बना हुआ है। हालांकि, शीर्ष पर उसकी बढ़त जरूर कम हो गई है। दूसरी ओर, पाकिस्तान एक पायदान नीचे खिसक गया है। ताजा रैंकिंग में भारत की रेटिंग 119 से गिरकर 118 हो गई है। वहीं, न्यूजीलैंड को दो अंक मिले हैं। यह टीम 113 रेटिंग के साथ दूसरे पायदान पर है। अब शीर्ष-2 टीमों के बीच अंतर आठ से घटकर पांच ही रह गया है। पाकिस्तान को लगा झटका

मौजूदा वनडे विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग (109) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह टीम फिलहाल तीसरे पायदान पर बनी हुई है। इस बीच टॉप-5 में बदलाव देखने को मिला है। साउथ अफ्रीका एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका को चार रेटिंग अंक मिले हैं। अब इस टीम के पास 102 अंक हैं, जबकि पाकिस्तान ने चार अंक गंवा दिए हैं। यह टीम 98 अंकों के साथ रैंकिंग में पांचवें स्थान पर खिसक गया है।

छठे स्थान पर श्रीलंका

दो अंक गंवाने के बावजूद श्रीलंका छठे स्थान पर बना रहा। इस टीम के 96 अंक हैं, जबकि अफगानिस्तान मामूली गिरावट के बाद 93 अंकों के साथ सातवें स्थान पर बना रहा। इंग्लैंड एक रेटिंग अंक हासिल करने के बाद आठवें स्थान पर बना रहा, जबकि बांग्लादेश 84 अंकों के साथ नौवें स्थान पर कायम रहा।

अमेरिका किस स्थान पर?

बांग्लादेश और 10वें स्थान पर मौजूद वेस्टइंडीज के बीच का अंतर काफी बढ़ गया। कैरेबियाई टीम ने तीन रेटिंग अंक गंवाए हैं। अब इस टीम के पास 74 अंक हैं। टॉप-10 से बाहर, आयरलैंड दो रेटिंग अंक हासिल करने के बाद जिम्बाब्वे से ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर पहुंच गया है। एक अंक की गिरावट के बाद जिम्बाब्वे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया है। संयुक्त राज्य अमेरिका (यूएसए) की टीम स्कॉटलैंड को पछाड़ते हुए 13वें स्थान पर पहुंच गई है, उसकी रेटिंग बढ़कर 46 हो गई। एक अंक गंवाने के बाद स्कॉटलैंड एक स्थान नीचे खिसक गया।

तालिका में और नीचे, नीदरलैंड ने रैंकिंग अपडेट में सबसे मजबूत बढ़त में से एक दर्ज की, चार अंक जोड़कर 44 पर पहुंच गया, जबकि ओमान 33 अंकों तक पहुंच गया। नेपाल चार अंकों की गिरावट के साथ 25वें स्थान पर खिसक गया, जबकि नामीबिया मामूली सुधार के साथ 23वें स्थान पर पहुंच गया। वनडे और टी20 क्रिकेट में भारत के लगातार दबदबे के साथ-साथ, ऑस्ट्रेलिया इस समय आईसीसी पुरुषों की टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर है। यह देश महिलाओं की वनडे और टी20 दोनों ही टीम रैंकिंग में भी पहले स्थान पर काबिज है।

मौजूदा वनडे विश्व कप चैंपियन ऑस्ट्रेलिया की रेटिंग (109) में कोई बदलाव नहीं हुआ है। यह टीम फिलहाल तीसरे पायदान पर बनी हुई है। इस बीच टॉप-5 में बदलाव देखने को मिला है। साउथ अफ्रीका एक पायदान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया है। दक्षिण अफ्रीका को चार रेटिंग अंक मिले हैं। अब इस टीम के पास 102 अंक हैं,

अब टॉप-4 की कुर्सी पर बैठने के लिए आठ टीमों के बीच 'मारामारी'! मुंबई और लखनऊ बाहर

कैलकुलेशन शुरू, दबाव दोगुना, मुकाबले तगड़े

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
RCB	11	7	4	0	14	+1.103
SRH	11	7	4	0	14	+0.737
GT	11	7	4	0	14	+0.228
PBKS	10	6	3	1	13	+0.571
CSK	11	6	5	0	12	+0.185
RR	11	6	5	0	12	+0.082
KKR	10	4	5	1	9	-0.169
DC	11	4	7	0	8	-1.154
MI (E)	11	3	8	0	6	-0.585
LSG (E)	11	3	8	0	6	-0.907

मौजूदा अंक तालिका

आरसीबी ने मुंबई इंडियंस को हराकर आईपीएल 2026 अंक तालिका में पहला स्थान हासिल कर लिया है। इस हार के साथ मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गए। अब आठ टीमें टॉप-4 की लड़ाई में बची हैं। आरसीबी, हैदराबाद, गुजरात और पंजाब मजबूत स्थिति में हैं, जबकि चेन्नई, राजस्थान, कोलकाता और दिल्ली के लिए रास्ता कठिन है। आइए विस्तार से समझते हैं हर टीम का प्लेऑफ समीकरण। आईपीएल 2026 अब अपने सबसे रोमांचक मोड़ पर पहुंच चुका है। लीग चरण के आखिरी मुकाबले नजदीक हैं और हर मैच प्लेऑफ की तस्वीर बदल रहा है। रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मुंबई इंडियंस को आखिरी गेंद पर हराकर न सिर्फ दो अहम अंक हासिल किए, बल्कि अंक तालिका में शीर्ष स्थान भी कब्जा लिया। इस हार के साथ मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स आधिकारिक तौर पर प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गए। अब कुल आठ टीमें अभी भी शीर्ष चार में जगह बनाने की लड़ाई में हैं।

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रन रेट
आरसीबी (ऋष्क्क)	11	7	4	0	14	+1.103
सनराइजर्स हैदराबाद (स्क्र॥)	11	7	4	0	14	+0.737
गुजरात टाइटंस (त्ज्ञ)	11	7	4	0	14	+0.228
पंजाब किंग्स (क्क्यर)	10	6	3	1	13	+0.571
चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्स्य)	11	6	5	0	12	+0.185

गावस्कर के अनुसार, खिताबी मुकाबले में पंजाब का सामना फिर आरसीबी से हो सकता है

भारत के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि पंजाब किंग्स और गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच आईपीएल 2026 का खिताबी मुकाबला खेला जा सकता है। पंजाब किंग्स का सामना आज दिल्ली कैपिटल्स से होना है। इससे पहले गावस्कर ने पंजाब का फाइनल में पहुंचने के लिए समर्थन किया है। अच्छी शुरुआत के बाद पंजाब ने गंवाई लय

पंजाब ने आईपीएल 2026 की शुरुआत शानदार तरीके से की थी और आधी सीजन तक अजेय बनी हुई थी। लेकिन इसके बाद वह लय गड़बड़ा गई और टीम को लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा। पंजाब का सामना अब दिल्ली से है जिसके लिए प्लेऑफ की दौड़ लगभग समाप्त हो चुकी है। पंजाब के पास दिल्ली के खिलाफ जीत की पटरी पर लौटने का अच्छा मौका रहेगा। गावस्कर ने कहा, पंजाब के मामले में लगातार हार टीम को रिसेट और लय में आने में ही मदद करेगा। इससे पंजाब को अब आने वाले मैचों की महत्वता का पता चलेगा और वह एक और हार नहीं झेलना चाहेगी। मैं अभी भी पंजाब का समर्थन करता हूं। दूसरी तरफ, दिल्ली कैपिटल्स है जिसने काफी करीब मैच गंवाए हैं जो उसे जीतने चाहिए थे। पंजाब को पता है कि टूर्नामेंट में यह स्टेज कितना जरूरी है। पंजाब की टीम अब अति-आत्मविश्वास में नहीं आकर एक और हार से बचना चाहेगी। मुझे अभी भी लगता है कि इस सीजन भी फाइनल में पंजाब और आरसीबी की टीमें आमने-सामने होंगी।

आईटीए ने ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में पंजीकरण कराने की दी थी मंजूरी', विवाद के बीच विनेश फोगाट का दावा

भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के साथ विवाद के बीच बड़ा दावा किया है। फोगाट ने आईटीए के ई-मेल का एक स्क्रीन शॉट शेयर किया है जिसमें लिखा है कि वह गोंडा में हो रही सीनियर ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के लिए पंजीकरण करा सकती हैं। दरअसल, इस टूर्नामेंट में खेलने को लेकर डब्ल्यूएफआई और विनेश के बीच ठन गई है। कैसे बढ़ा विवाद?

डब्ल्यूएफआई ने हाल ही में अनुशासनहीनता और डोपिंग विरोधी नियमों के उल्लंघन के आरोपों पर विनेश को नोटिस भेजा था।

महासंघ ने यह भी स्पष्ट किया था कि वह घरेलू टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकती हैं।

विनेश ने इस नोटिस का जवाब देकर दावा कर दिया कि वह राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में भाग लेने के योग्य हैं। हालांकि, डब्ल्यूएफआई ने इसका विरोध किया था।

क्या हार्दिक पांड्या और मुंबई इंडियंस के बीच सबकुछ ठीक नहीं? रोहित और सूर्यकुमार को किया अनफॉलो!

आईपीएल का 19वां संस्करण पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए कुछ खास नहीं रहा है। रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से मिली हार के साथ उनकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें समाप्त हो गईं। टीम फिलहाल अंक तालिका में 10वें स्थान पर है। इस बीच कप्तान हार्दिक पांड्या और मुंबई इंडियंस को लेकर सोशल मीडिया पर नई चर्चा शुरू हो गई है।

हार्दिक ने पहले मुंबई को किया अनफॉलो, फिर फॉलो बैक किया!

सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स का दावा है कि रविवार को हार्दिक पांड्या ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से मुंबई इंडियंस को अनफॉलो किया था। हालांकि, कुछ ही देर बाद उन्होंने टीम को दोबारा फॉलो भी कर लिया। इतना ही नहीं, हार्दिक ने टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को भी इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया है। इस घटनाक्रम ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है और फैंस इसे टीम के भीतर संभावित मतभेदों से जोड़कर देख रहे हैं।

कप्तानी को लेकर फिर शुरू हुई चर्चा

मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2024 से पहले रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाया था। उस फैसले के बाद टीम प्रबंधन को काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब सोशल मीडिया पर यह चर्चा भी तेज हो गई है कि क्या फ्रेंचाइजी हार्दिक से कप्तानी वापस लेने पर विचार कर रही है। हालांकि, अभी तक मुंबई इंडियंस या हार्दिक पांड्या की ओर से इस पूरे मामले पर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। ऐसे में फिलहाल इन खबरों की पुष्टि नहीं की जा सकती।

फैंस के बीच बढ़ी हलचल

हार्दिक के इस कदम के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और इंस्टाग्राम पर फैंस लगातार प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कुछ यूजर्स इसे टीम के अंदर तनाव का संकेत मान रहे हैं, जबकि कई लोगों का कहना है कि यह केवल सोशल मीडिया गतिविधि हो सकती है और इसका क्रिकेट या टीम माहौल से कोई संबंध नहीं है। अब सभी की नजर मुंबई इंडियंस के अगले कदम और हार्दिक पांड्या की प्रतिक्रिया पर टिकी हुई है।

कोच क्या बोले?

रायपुर में आरसीबी के खिलाफ दो विकेट से मिली हार के बाद मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने को कठिन सवालों का सामना करना पड़ा। प्रेस कॉन्फ्रेंस में जयवर्धने से टीम के प्रदर्शन, लगातार बदलाव और सीनियर खिलाड़ियों को बेंच करने को लेकर राजनीति जैसे मुद्दों पर सवाल पूछे गए। जयवर्धने ने पूरे सीजन के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया।

पाकिस्तान-बांग्लादेश से सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान; मार्श कप्तान

ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए अपनी टीम का एलान कर दिया है। चयनकर्ताओं ने इस बार युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए तीन नए चेहरों को मौका दिया है। टीम में अनुभव और युवा जोश का संतुलन देखने को मिल रहा है, जबकि यह चयन भविष्य की योजनाओं को ध्यान में रखकर किया गया माना जा रहा है। आईपीएल 2026 में प्लेऑफ की रेस से मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स के बाहर होते ही ऑस्ट्रेलियाई टीम का एलान हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज और मई-जून 2026 में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए अपनी टीम की घोषणा की है। आईपीएल 2026 में लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए खेल रहे मिचेल मार्श दोनों ही फॉर्मेट में टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे।

कमिंस-हेजलवुड-स्टार्क को आराम

पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और मिचेल स्टार्क को आराम दिया गया है। वनडे टीम में बिली स्टैनलेक और राइली मेरेडिथ की वापसी हुई है। ओली पीक, लियाम स्कॉट और जोएल डेविस को पहली बार ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है। पीक को सिर्फ पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए टीम में शामिल किया गया है, जबकि स्कॉट को बांग्लादेश के

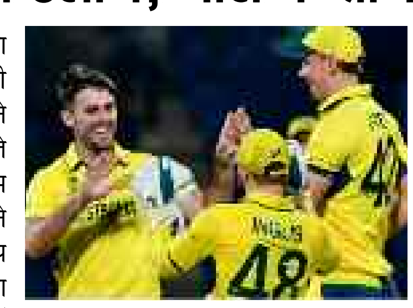

खिलाफ सिर्फ वनडे सीरीज के लिए टीम में जगह दी गई है। जोएल डेविस बांग्लादेश के खिलाफ सिर्फ टी20 सीरीज में खेलते नजर आएंगे। हेड और कोनोली बाद में जुड़ेंगे

आईपीएल 2026 में खेल रहे ट्रेविस हेड, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस और जेवियर बार्टलेट बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में पीक, स्टैनलेक, मेरेडिथ और मैट शॉर्ट की जगह लेंगे। वनडे फॉर्मेट से संन्यास ले चुके ग्लेन मैक्सवेल को टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया है।

तीन नए खिलाड़ियों को शानदार प्रदर्शन का इनाम

पीक, स्कॉट और डेविस को घरेलू प्रदर्शन में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। स्कॉट को 2025/26 में शेफील्ड शील्ड प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था, जबकि डेविस 2025/26 बिग बैश लीग में सबसे अहम खिलाड़ी रहे थे। ओली पीक अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान रहे थे, जिसके बाद उन्हें ऑस्ट्रेलिया ए टीम में शामिल किया गया था।

पेट पर चोट, पैरों में क्रैम्प्स...फिर भी डटे रहे क्रुणाल पांड्या

नईदिल्ली, मई। आईपीएल में रविवार को खेले गए रोमांचक मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार संघर्षपूर्ण पारी खेलकर टीम को यादगार जीत दिलाई। मैच के कुछ घंटों बाद क्रुणाल ने इंस्टाग्राम पर अपने पेट पर पड़े गहरे चोट के निशान की तस्वीर साझा की, जो देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। क्रुणाल ने फोटो के साथ लिखा, 'कुछ निशान इस बात का सबूत होते हैं कि लड़ाई लड़ना वाकई मायने रखता था।

मुश्किल परिस्थिति में संभाली पारी

167 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने सिर्फ 39 रन पर तीन बड़े विकेट गंवा दिए थे। विराट कोहली बिना खाता खोले आउट हो गए, जबकि कप्तान रजत पाटीदार भी जल्द पवेलियन लौट गए। ऐसे दबाव भरे माहौल में नंबर-पांच पर बल्लेबाजी करने आए क्रुणाल पांड्या ने पारी को संभाला। उन्होंने 46 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेली और टीम को मुकाबले में बनाए रखा।

दर्द से जूझते हुए लगाए छक्के

पारी के दौरान क्रुणाल को लगातार क्रैम्प्स की समस्या होने लगी। पहले हैमस्ट्रिंग और फिर ग्लूट्स में दर्द बढ़ता गया। एक समय तो वह दर्द से मैदान पर गिर पड़े।

नेपाल का दौरा कर सकती है इंग्लैंड क्रिकेट टीम, दोनों देशों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज संभव

टी20 विश्व कप में दोनों टीमों का हुआ था सामना

इंग्लैंड की क्रिकेट टीम आईसीसी के दौरा कार्यक्रम के 2027-31 के चक्र के दौरान सीमित ओवरों की सीरीज के लिए नेपाल का दौरा कर सकती है। भारत में टी20 विश्व कप के दौरान दोनों बोर्ड के बीच बैठक में इस पर चर्चा की गई थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भारत जैसे देश का दौरा करने से पहले नेपाल के खिलाफ उसकी धरती पर तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने पर विचार कर रहा है। टी20 विश्व कप में दोनों टीमों का हुआ था सामना

रिपोर्ट के अनुसार, इंग्लैंड की पुरुष टीम नेपाल का दौरा करने वाली शीर्ष स्तर की पहली अंतरराष्ट्रीय टीम बन सकती है, क्योंकि ईसीबी 2027-31 के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट चक्र में टी20 मैच की सीरीज की संभावना तलाश रहा है। टी20 विश्व कप के दौरान इंग्लैंड और नेपाल पहली बार एक दूसरे के खिलाफ खेले थे। वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए इस मैच में नेपाल ने इंग्लैंड को कड़ी चुनौती दी थी। इंग्लैंड ने यह मैच बमुश्किल चार रन से जीता था। नेपाल के कप्तान रोहित पौडेल ने कहा है कि इंग्लैंड जैसी शीर्ष स्तर की टीम का दौरा स्थानीय खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा, यह बहुत मायने रखेगा, खासकर अगर ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड की टीम नेपाल का दौरा करें। इससे विश्व क्रिकेट को पता चलेगा कि नेपाल भी क्रिकेट खेलता है और अच्छा क्रिकेट खेलता है। यह बेहद महत्वपूर्ण होगा।

राजा शिवाजी ने बॉक्स ऑफिस पर मचाया तहलका, 70 करोड़ क्रॉस हुआ कलेक्शन

रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी को फैंस भर-भरकर प्यार दे रहे हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा रखा है. राजा शिवाजी की स्टोरीलाइन और रितेश देशमुख की एक्टिंग को फैंस बहुत प्यार दे रहे हैं. आइए नजर डालते हैं फिल्म के कलेक्शन पर.

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने शनिवार को 5.60 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 3962 शोज मिले. फिल्म को 27.8 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने 1.35 करोड़ हिंदी भाषा में और मराठी में 4.25 करोड़ कमाए. फिल्म ने टोटल नेट 61.45 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है.

वहीं ग्रॉस फिल्म ने 70 करोड़ का आंकड़ा टच कर लिया है. फिल्म ने टोटल ग्रॉस 72.91 करोड़ की कमाई कर ली है. बता दें कि फिल्म के शनिवार के कलेक्शन के आंकड़े अभी ऑफिशियल सामने नहीं आए हैं.

फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो पहले दिन फिल्म ने 11.35 करोड़ कमाए. दूसरे दिन फिल्म ने 10.55 करोड़ का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ. तीसरे दिन फिल्म ने 12 करोड़ कमाए. चौथे दिन फिल्म ने 5.60 करोड़ कमाए. पांचवें दिन फिल्म का कलेक्शन 4.90 करोड़ रहा. छठे दिन फिल्म ने 4.25 करोड़ कमाए. सातवें दिन फिल्म ने 4 करोड़ कमाए. पहले हफ्ते में ही फिल्म ने 52.65 करोड़ का कलेक्शन कर लिया था. आठवें दिन फिल्म ने 3.20 करोड़ का कलेक्शन किया.

फिल्म को रितेश देशमुख ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में रितेश देशमुख ही लीड रोल में हैं. वहीं जेनेलिया देशमुख, विद्या बालन, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त जैसे स्टार्स फिल्म में अहम रोल में हैं. इस फिल्म को शानदार रिव्यूज मिले थे. फिल्म में सलमान खान ने भी स्पेशल अपीरियंस दी थी. उनकी स्पेशल अपीरियंस को फैंस ने बहुत सराहा. अब फिल्म बॉक्स ऑफिस पर धमाका कर रही है. पहले दिन से ही फिल्म शानदार पेस में कमाई कर रही है. वहीं दादी की शादी ने शनिवार को 1.15 करोड़ कमाए. फिल्म को 1771 शोज मिले. वहीं फिल्म को 17 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने पहले दिन 60 लाख कमाए थे. पहले दिन फिल्म को 1789 शोज मिले थे.

प्रभास की फौजी की रिलीज डेट लॉक्ड, दशहरा 2026 के मौके पर होगा बॉक्स ऑफिस पर धमाका

रेबल स्टार प्रभास एक बार फिर अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार हैं, बहुप्रतीक्षित अखिल भारतीय फिल्म फौजी के साथ, जिसका निर्देशन हनु राघवपुडी ने किया है. यह फिल्म गुलशन कुमार और भूषण कुमार के टी-सीरीज के साथ पेश की जा रही है और इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स के बैनर तले किया गया है.

फिल्म निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है कि फौजी 2026 में दशहरा उत्सव के दौरान बड़े पर्दे पर रिलीज होगी. फिल्म का पहला लुक पहले ही जारी किया जा चुका है और प्रशंसकों से इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है.

टीम के अनुसार, फौजी की शूटिंग फिल्म पूरी होने तक बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी. फिल्म को बेहतरीन प्रोडक्शन और विशेषज्ञ तकनीकी ज्ञान से सजी एक शानदार फिल्म बताया जा रहा है.

भाव और भव्यता दोनों को कुशलता से संभालने के लिए जाने जाने वाले हनु राघवपुडी यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रभास एक बिल्कुल नए रूप में चमके. फिल्म में इमानवी नायिका के रूप में होंगी, साथ ही अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, जयप्रदा और भानु चंदर जैसे दिग्गज कलाकार भी नजर आएंगे.

फौजी की तकनीकी टीम में उद्योग जगत के कुछ बेहतरीन लोग शामिल हैं. सुदीप चटर्जी सिनेमैटोग्राफी संभाल रहे हैं. विशाल चंद्रशेखर संगीत दे रहे हैं. अनिल विलास जाधव प्रोडक्शन डिजाइनर हैं और कोटागिरी वेंकटेश्वर राव फिल्म का संपादन कर रहे हैं.

गीत कृष्णकांत ने लिखे हैं, कोरियोग्राफी प्रेम रक्षित ने की है, वेशभूषा शीतल इकबाल शर्मा और टी विजय

चाय के शौकीन हैं? इन 5 गलतियों से बचें, स्वास्थ्य पर पड़ सकता है बुरा असर

चाय का स्वाद और उसके फायदे सभी को भाते हैं। लेकिन, चाय पीने का तरीका और समय इसका असर बदल सकता है। कई लोग बिना सोचे-समझे चाय का सेवन करते हैं, जिससे सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। आइए आज हम आपको चाय पीने से जुड़ी कुछ सामान्य गलतियों के बारे में बताते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं।

खाली पेट चाय न पिएं

खाली पेट चाय पीना एक आम गलती है, जिसे कई लोग अनजाने में करते हैं। इससे पेट में जलन, गैस और खट्टी डकार जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खाली पेट चाय पीने से शरीर में खट्टापन बढ़ जाता है, जो पाचन पर असर डालता है। इसके अलावा यह आपके ऊर्जा स्तर को भी कम कर सकता है। इसलिए हमेशा नाश्ता करने के बाद ही चाय का सेवन करें ताकि पेट में स्थिरता बनी रहे।

चीनी का अधिक सेवन न करें

चाय में चीनी मिलाना आम बात है, लेकिन इसका अधिक सेवन सेहत के लिए हानिकारक हो सकता है। ज्यादा चीनी मिलाने से वजन बढ़ सकता है, दांतों में सड़न हो सकती है और मधुमेह जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा ज्यादा मीठी चाय पीने से शरीर में सूजन भी हो सकती है। इसलिए कोशिश करें कि चाय में कम से कम चीनी मिलाई जाए या फिर चीनी के विकल्प जैसे शहद या गुड़ का इस्तेमाल करें।

दूध वाली चाय का सेवन सीमित रखें

दूध वाली चाय का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन इसका अधिक सेवन नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा दूध वाली चाय पीने से शरीर में चर्बी की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे वजन बढ़ने का खतरा रहता है। इसके अलावा इससे पाचन पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए दिन में एक या दो कप ही दूध वाली चाय का सेवन करें और बाकी समय हर्बल या बिना दूध वाली चाय पिएं।

देर रात चाय न पिएं

देर रात चाय पीने से नींद पर बुरा असर पड़ता है। कैफीन युक्त चाय पीने से नींद जल्दी नहीं आती और अगर आती भी है तो बार-बार टूट जाती है। इससे अगली सुबह थकान महसूस होती है और दिनचर्या प्रभावित होती है। इसके अलावा देर रात चाय पीने से पाचन पर भी असर होता है, जिससे नींद की समस्या बढ़ सकती है। बेहतर होगा कि रात का खाना खाने के बाद कम से कम 2 घंटे तक चाय न पिएं।

चाय बनाने का तरीका सही रखें

चाय बनाते समय पानी को ज्यादा देर तक न उबालें और न ही उसमें ज्यादा देर तक चायपत्ती छोड़ें। इससे न केवल उसका स्वाद बिगड़ जाता है, बल्कि उसमें मौजूद पोषक तत्व भी कम हो जाते हैं। बेहतर होगा कि आप चाय को हल्का ही उबालें और उसमें चायपत्ती को ज्यादा देर तक न छोड़ें। इससे आपकी चाय स्वादिष्ट बनेगी और उसमें मौजूद पोषक तत्व भी बरकरार रहेंगे।

कृष्णावतारम् पार्ट 1 ने बॉक्स ऑफिस पर मचाई धूम, तीसरे दिन किया इतने करोड़ का कलेक्शन

कृष्णावतारम् पार्ट 1 को लेकर फैंस में बज देखने को मिल रहा है. फिल्म को अच्छे रिव्यूज मिले हैं और पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का भी फायदा मिल रहा है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म ने शनिवार को शानदार कमाई की. आइए जानते हैं फिल्म के कलेक्शन के बारे में.

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे दिन 2.25 करोड़ की कमाई की. फिल्म को 1713 शोज मिले. वहीं फिल्म ने 27.5 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म ने हिंदी में 2.15 करोड़ कमाए. वहीं तमिल में 3 लाख और तेलुगू में 7 लाख कमाए.

फिल्म ने टोटल 3.82 करोड़ की कमाई की. वहीं फिल्म ने ग्रॉस 4.57 करोड़ का कलेक्शन किया. बता दें कि फिल्म ने पहले दिन 42 लाख की कमाई की. दूसरे दिन फिल्म की कमाई में जबरदस्त इजाफा हुआ. दूसरे दिन 1.15 करोड़ कमाए.

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक आउट, नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी की फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक आउट, नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित पिछले कुछ समय से अपनी अपकमिंग फिल्म मां बहन को लेकर चर्चा में हैं. ये एक डार्क कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसका दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. इस फिल्म में एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में नजर आएंगी. अब मदर्स डे को मौके पर फैंस को बड़ा सरप्राइज मिला है. दरअसल, फिल्म मां बहन का फर्स्ट लुक सामने आ गया है.

फिल्म मां बहन जल्द ही ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक देने वाली है. फिलहाल इसकी रिलीज डेट अनाउंस नहीं हुई है. इस फिल्म में सोशल मीडिया स्टार धारणा दुर्गा भी अहम भूमिका निभा रही हैं. वहीं, दिग्गज एक्टर रवि किशन भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. फिल्म मां बहन में माधुरी दीक्षित मां के किरदार में नजर आएंगी, वहीं धारणा और तृप्ति उनकी बेटियों का रोल प्ले करने वाली हैं.

पूजा हेगड़े का ग्लैमरस अवतार, बिकिनी टॉप और शॉर्ट्स में फ्लॉन्ट किया कर्वी फिगर, वायरल हुई तस्वीरें

एक्ट्रेस पूजा हेगड़े इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क़ होना है को लेकर चर्चा में है. फैंस उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं. वहीं अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ ग्लैमरस फोटो शेयर कर फैंस को दीवाना बना दिया है.

पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई शानदार फोटोज शेयर की हैं. जिनमें उनका लुक देखने लायक है. पूजा हेगड़े फ्लोरल प्रिंटेड बिकिनी टॉप और डेनिम शॉर्ट्स पहन कहर ढा रही हैं. एक्ट्रेस का ये कतिलाना लुक देख फैंस उनसे नजर नहीं हटा पा रहे हैं. सटल मेकअप और खुले बालों ने पूजा हेगड़े बला की हसीन दिख रही हैं. उन्होंने कई मिरर सेल्फी ली है. शेयर की गई तस्वीरों में एक्ट्रेस काफी कॉन्फिडेंट नजर आईं. पूजा हेगड़े ने अपना कर्वी फिगर भी फ्लॉन्ट किया. उनकी ये फोटोज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं. फैंस उनके लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं. अगर पूजा हेगड़े के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही है जवानी तो इश्क होना है फिल्म में नजर आएंगी. फिल्म ने वरुण धवन और मृणाल ठाकुर भी हैं. ये फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी. इस फिल्म का निर्देशन डेविड धवन कर रहे हैं.

इश्क दम और इडली रसम खाना, परिवार और भावनाओं की खूबसूरत कहानी : सुरभि चंदना

अभिनेत्री सुरभि चंदना अपनी नई वेब सीरीज इश्क दम और इडली रसम को लेकर उत्साहित हैं। खास बात है कि इस सीरीज को उन्होंने को-प्रोड्यूस भी किया है। अभिनेत्री ने अपकमिंग वेब सीरीज को परिवार, प्यार, भावनाओं और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाने वाली एक दिलकश कहानी बताया है। बालाजी टेलीफिल्म्स निर्मित यह शो दर्शकों को एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट की भावुक कहानी के माध्यम से खाने की खुशबू, यादों और रिश्तों की गहराई दिखाएगा। शो की कहानी एक पुराने साउथ इंडियन रेस्टोरेंट के इर्द-गिर्द घूमती है, जो टिके रहने के लिए संघर्ष कर रहा है। इस सीरीज के केंद्र में मीरा नायर हैं, जिनका किरदार शाइनी दोशी ने निभाया है। मीरा एक भावुक शेफ है, जो मानती है कि खाना सिर्फ खाना नहीं, बल्कि सेवा, सुकून और जिम्मेदारी है। अपने दिवंगत पिता की विरासत को संभालते हुए वह रेस्टोरेंट को सिर्फ एक बिजनेस नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं और मूल्यों का हिस्सा मानती है। कहानी आगे बढ़ती है और अभिषेक कुमार के निभाए किरदार अर्जुन ठाकुर की एंट्री होती है, जो एक शेफ और इन्वेस्टर हैं। जब वह मीरा के रेस्टोरेंट में आता है, तो मीरा की दुनिया हिल जाती है। अर्जुन रेस्टोरेंट को फिर से खड़ा करने का वादा करते हैं, लेकिन साथ ही मीरा की उन सारी चीजों को बदलने का खतरा भी पैदा करते हैं जो उनके दिल के सबसे करीब हैं।

सुरभि ने इसे अपने करियर का नया अध्याय बताया और कहा कि वह आगे बढ़ते रहना चाहती हैं। सुरभि चंदना ने शो के बारे में बात करते हुए बताया, 'इश्क दम और इडली रसम' बालाजी टेलीफिल्म्स के साथ काम करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है। यह शो मेरे लिए बहुत खास है क्योंकि इसमें दिल, अपनापन और सादगी भरपूर है। शुरुआत से ही मुझे इस प्रोजेक्ट से गहरा जुड़ाव महसूस हुआ। कैमरे के पीछे क्रिएटिव जर्नी का हिस्सा बनना और कहानी से भावनात्मक रूप से जुड़ना मेरे लिए बेहद खूबसूरत अनुभव रहा है। यह शो प्यार, परिवार, भावनाओं और संस्कृति का ताजगी भरे अंदाज में जश्न मनाता है।

वहीं, अभिषेक कुमार ने अपने किरदार अर्जुन ठाकुर के बारे में बात करते हुए कहा, यह कोई आम लव स्टोरी या टिपिकल शेफ ड्रामा नहीं है। यहां खाना लोगों की भावनाओं, नियंत्रण और अतीत को समझने का जरिया है। अर्जुन उन सबसे मुश्किल किरदारों में से एक है जिन्हें मैंने निभाया है। यह किरदार गंभीर, नियंत्रित और भावनाओं को छुपाने वाला है। इस शो के जरिए मुझे एक अभिनेता के रूप में आगे बढ़ने का मौका मिला है।

प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण के लिए 29 हजार 540 करोड़ रूपये से अधिक की स्वीकृति

मंत्रियों के स्वैच्छानुदान में बढ़ोतरी, अब 25 हजार तक की दे सकेंगे मदद; छोटे ठेकेदारों को भी राहत

भोपाल 11 मई । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के समग्र विकास और जन-कल्याण की दिशा में कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। प्रदेश में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, सिंचाई सुविधाओं और सामाजिक सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न विकास कार्यों और योजनाओं के लिए 29 हजार 540 करोड़ रुपये से अधिक की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों एवं योजनाओं के परीक्षण और अनुमोदन के लिए 15 हजार 598 करोड़ रुपये और शहरी व नगरीय मार्गों के कायाकल्प तथा सुदृढ़ीकरण के लिए 6,900 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिये गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चिकित्सा क्षेत्र के विस्तार के लिए बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रुपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। साथ ही जिले की खुमानसिंह शिवाजी जलाशय सिंचाई परियोजना के लिए 163.95 करोड़ रुपये की स्वीकृति के साथ ही राज्य मंत्रियों के स्वेच्छानुदान की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का निर्णय लिया गया हैं। इसके साथ ही सड़क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए 10 करोड़ से कम लागत के डामरीकरण कार्यों में मूल्य समायोजन और स्क्क्रष्ठ अंतर्गत श्वक्ष्ट तथा ãरूपरियोजनाओं में मासिक दर समायोजन की भी स्वीकृति दी गई है।

लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण के लिए 15 हजार 598 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने वित्त विभाग अंतर्गत लोक परियोजनाओं के परीक्षण तथा प्रशासकीय अनुमोदन की प्रक्रिया से संबंधित योजना को 16 वें केन्द्रीय वित्त आयोग की अवधि (01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031) तक योजनाओं के संचालन की निरंतरता के लिए कुल 15,598.27 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार कोषालयों की स्थापना के लिए 683.50 करोड़ रूपये, लंबित देनदारियों के भुगतान से सम्बंधित योजना के लिए 13,818.32 करोड़ रूपये के साथ लेखा प्रशिक्षण शालाओं की स्थापना, विभागीय परिसंपत्तियों का संधारण, म.प्र. आंतरिक लेखा परीक्षण प्रकोष्ठ, निर्देशन एवं प्रशासन, संभागीय कार्यालयों की स्थापना और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी परियोजनाएँ एवं कार्य के लिए 1,096.45 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए 6 हजार 900 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने लोक निर्माण विभाग अंतर्गत शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और उन्नयन की सोलहवें वित्त आयोग की अवधि (1 अप्रैल, 2026 से 31 मार्च 2031) तक निरंतर संचालन के लिए 6 हजार 900 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी है। स्वीकृति अनुसार शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और उन्नयन के लिए 2,100 करोड़ रूपये और सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 4,800 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की है।

गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए

6115.99 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम (एन.एस.ए.पी.) अंतर्गत इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के 1 अप्रैल 2026 से आगामी 5 वर्षों तक निरंतर संचालन के लिए 6115.99 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना 15 अगस्त 1995 से प्रभावशील है। योजना का क्रियान्वयन राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। योजनान्तर्गत गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले 60 वर्ष या उससे अधिक आयु के को उनकी पात्रतानुसार 600 रूपये प्रतिमाह पेंशन का भुगतान किया जाता है।

> **लोक वित्त पोषित कार्यक्रमों, योजनाओं एवं परियोजनाओं के परीक्षण के लिए 15 हजार 598 करोड़ रूपये की स्वीकृति**
>
> **शहरी एवं नगरीय मार्गों के नव निर्माण और सुदृढ़ीकरण के लिए 6 हजार 900 करोड़ रूपये की स्वीकृति**
>
> **गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले वृद्धजनों की पेंशन के लिए 6 हजार 116 करोड़ रूपये की स्वीकृति**
>
> **बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति**

बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सीहोर के बुदनी में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना के लिए 714.91 करोड़ रूपये के स्थान पर 763.40 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। स्वीकृति अनुसार बुदनी में 100 एम.बी.बी.एस. सीट प्रवेश क्षमता के नवीन चिकित्सा महाविद्यालय तथा 500 सीटर संबद्ध अस्पताल स्थापित किया जाएगा। साथ ही नर्सिंग पाठ्यक्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता के नर्सिंग महाविद्यालय और पैरामेडिकल पाठ्क्रमों के लिए 60 सीट प्रवेश क्षमता के पैरामेडिकल महाविद्यालय की स्थापना भी की जायेगी।

नीमच जिले की खुमानसिंह शिवाजी जलाशय सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 163.95 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा नीमच जिले की खुमानसिंह शिवाजी जलाशय (ठिकरिया तालाब) सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए लागत राशि 163.95 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। इससे नीमच की नीमच तहसील के 22 ग्रामों की कुल 5,200 हैक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी।

राज्य मंत्रियों व्दारा दिए जाने वाले स्वेच्छानुदान की राशि को बढ़ाकर 25 हजार रूपये किए जाने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा राज्य मंत्रियों व्दारा दिए जाने वाले स्वेच्छानुदान की राशि में किसी एक प्रकरण के लिए वर्तमान में निर्धारित सीमा राशि 16,000 रूपये को बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है।

उच्च न्यायालय के सामने मल्टीलेवल वाहन पार्किंग के निर्माण की लागत राशि को विभागीय सूचकांक की गणना से मुक्त रखे जाने की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा उच्च न्यायालय, म.प्र. जबलपुर में गेट क्रमांक 4 और 5 के सामने मल्टीलेवल वाहन पार्किंग ब्लाक कम बार ऑफिस के निर्माण की लागत राशि 94 करोड़ 16 लाख रूपये की योजना के प्रस्ताव को विभागीय सूचकांक की गणना से मुक्त रखे जाने की स्वीकृति दी गई है। 10 करोड़ से कम लागत के डामरीकरण कार्यों में मूल्य समायोजन और स्क्क्रष्ठ अंतर्गत श्वक्ष्ट तथा ãरू परियोजनाओं में मासिक दर समायोजन की स्वीकृति मंत्रि-परिषद ने प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों को गति देने के लिए 10 करोड़ से कम लागत के डामरीकरण कार्यों में मूल्य समायोजन को स्वीकृति दी है। निर्णय अनुसार लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत 10 करोड़ रुपये से कम लागत वाले डामरीकृत मार्गों के निर्माण, नवीनीकरण और संधारण कार्यों के अनुबंधों में अब मूल्य समायोजन का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए एक विशिष्ट फॉर्मूला निर्धारित किया गया है, जिससे डामर की बढ़ी हुई दरों का बोझ संविदाकारों पर नहीं पड़ेगा।

भोपाल मेट्रो पर नया विवाद: कब्रिस्तान के नीचे टनल निर्माण पर बढ़ी सियासत, अब हिंदू संगठनों ने दी चेतावनी

भोपाल 11 मई । भोपाल मेट्रो का अंडरग्राउंड प्रोजेक्ट अब धार्मिक और कानूनी विवादों के घेरे में आ गया है। भोपाल टॉकीज इलाके में पुराने कब्रिस्तान के नीचे से प्रस्तावित मेट्रो लाइन को लेकर वक्फ बोर्ड में सुनवाई चल रही है, वहीं अब हिंदू संगठनों ने भी इस मुद्दे पर मोर्चा खोल दिया है। मामले में मध्यप्रदेश वक्फ अधिकरण ने सुनवाई के लिए 14 मई की तारीख तय की है। इस दौरान मेट्रो प्रबंधन अपना पक्ष रखेगा। दूसरी ओर हिंदू संगठनों का कहना है कि विकास कार्यों में किसी भी तरह की बाधा नहीं आनी चाहिए।

सिर्फ हिंदू धर्मस्थलों पर कार्रवाई क्यों?

हिंदू उत्सव समिति व संस्कृति बचाओ मंच के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि यदि कब्रिस्तान और अन्य धर्मस्थलों को विकास कार्य में बाधक मानने के बावजूद नहीं हटाया जा रहा, तो हिंदू धर्मस्थलों को भी हटाने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्लिम समाज और उनके जनप्रतिनिधियों द्वारा कब्रिस्तान के मुद्दे पर विरोध किया जा रहा है, जिससे यह संदेश जा रहा है कि प्रशासन केवल हिंदू धर्मस्थलों पर कार्रवाई करने में तत्पर रहता है, जबकि अन्य धर्मस्थलों के मामलों में पीछे हट जाता है।तिवारी ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर निर्णय सरकार और प्रशासन लेते हैं, न कि कोई विधायक। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या अब यह तय विधायक करेंगे कि भोपाल में मेट्रो की जरूरत है या नहीं?

विकास कार्य में हिंदू समाज हमेशा सहयोगी

चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि हिंदू समाज हमेशा से विकास कार्यों में सहयोग करता आया है, लेकिन यदि धार्मिक स्थलों को समुदाय के आधार पर अलग-अलग नजरिए से देखा जाएगा तो इसका विरोध किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि केवल हिंदू धार्मिक स्थलों को हटाने की कार्रवाई की गई तो हिंदू उत्सव समिति इसका विरोध करेगी।

कब्रिस्तान के नीचे सुरंग निर्माण पर आपत्ति

विवाद भोपाल टॉकीज क्षेत्र के उस हिस्से को लेकर है, जहां से अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन प्रस्तावित है। कमेटी इंतेजामियां औकाफ-ए-आम्मा ने मध्यप्रदेश राज्य वक्फ अधिकरण में याचिका दायर कर निर्माण पर रोक लगाने की मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि प्रस्तावित लाइन मासूमा तकिया अम्मनशाह, मस्जिद नूरानी, मुल्लाशाह सहित कई पंजीकृत वक्फ कब्रिस्तानों के नीचे से गुजर रही है। समिति का दावा है कि यह शहर के सबसे पुराने और ऐतिहासिक कब्रिस्तानों में शामिल हैं, जहां हजारों कब्रें मौजूद हैं।

नारियलखेड़ा की जमीन पर भी विवाद

मेट्रो प्रोजेक्ट को लेकर दूसरा विवाद नारियलखेड़ा इलाके की वक्फ जमीन को लेकर सामने आया है। आरोप है कि यहां बिना अनुमति निर्माण गतिविधियां शुरू की गईं। इस मामले को भी वक्फ अधिकरण में चुनौती दी गई है।

मुकदमे की मंजूरी को लेकर असमंजस, मंत्री विजय शाह पर फंसा पेंच, अब फैसला केंद्रीय नेतृत्व करेगा

भोपाल 11 मई । कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर विवादित टिप्पणी करने वाले प्रदेश के मंत्री विजय शाह का मामला सुप्रीम कोर्ट के कड़े तेवर के बाद गंभीर हो गया है। शाह के मामले में अब भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व फैसला ले सकता है। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल इस मुद्दे पर केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करेंगे। शाह मामले में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट दोनों ने ही सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को चार सप्ताह में रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। हालांकि, अब तक राज्य सरकार ने एसआईटी को विजय शाह के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नहीं दी है।

आदिवासी जनाधार की चिंता

दरअसल, सरकार अपने मंत्री के खिलाफ मुकदमे की अनुमति देने से बच रही है, क्योंकि ऐसा होते ही विजय शाह पर कैबिनेट से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ सकता है। भाजपा को यह भी चिंता है कि विजय शाह आदिवासी समुदाय से आते हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई का असर पार्टी के जनाधार पर पड़ सकता है। यही वजह है कि मामला लंबे समय से लंबित बना हुआ है।

एसआईटी ने टिप्पणी को आपत्तिजनक माना

बताया जा रहा है कि एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में विजय शाह की टिप्पणी को आपत्तिजनक माना गया है। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो एआई जनरेटेड नहीं बल्कि असली था। इसी आधार

बर्खास्त सहायक अभियंता अवनीश जारोलिया के विरुद्ध कंपनी ने दर्ज कराई एफआईआर

भोपाल 11 मई । मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 'मुख्यमंत्री कृषक मित्र योजना' के क्रियान्वयन में पाई गई गंभीर वित्तीय अनियमितताओं के मामले में कार्रवाई करते हुए बर्खास्त संविदा सहायक अभियंता अवनीश जारोलिया के विरुद्ध थाना मकरोनिया, जिला सागर में एफआईआर दर्ज कराई है।

कंपनी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार श्री जारोलिया सागर के एस.टी.सी. उपसंभाग में पदस्थ थे तथा उन्हें उपसंभाग-द्धद्ध का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। योजना के अंतर्गत सामग्री आहरण एवं कार्यों के निष्पादन में अनियमितताओं की शिकायत प्राप्त होने पर मुख्यालय स्तर से गठित तीन सदस्यीय जांच समिति द्वारा मामले की जांच की गई। जांच में पाया गया कि बिना विधिवत कार्यादेश जारी हुए क्षेत्रीय भंडार सागर से लगभग 73 लाख रुपये मूल्य की सामग्री आहरित की गई।

प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि संबंधित अधिकारी द्वारा विभिन्न पदनामों का उपयोग करते हुए सामग्री आहरित की गई तथा कंपनी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं संविदा सेवा नियमों का पालन नहीं किया गया। जांच समिति के प्रतिवेदन के आधार पर कंपनी प्रबंधन ने इसे गंभीर वित्तीय अनियमितता मानते हुए संविदा सेवा समाप्त कर दी।

प्रकरण में थाना मकरोनिया, सागर में भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 318(4) के अंतर्गत अपराध क्रमांक 0137/2026 दर्ज किया गया है तथा पुलिस द्वारा मामले की विवेचना की जा रही है।

कंपनी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता या लापरवाही के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

बेतवा नदी को झिरी में उद्गम स्थल पर जुटे लोग

भोपाल। ग्राम झिरी स्थित बेतवा नदी के सूखे उद्गम स्थल को पुनर्जीवित करने और नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए रविवार से पहल शुरू हो गई। यहां पर बड़ी संख्या में भोपाल, इंदौर के रिटायर्ड अफ्सर और एक्सपर्ट जुटे। बेतवा अध्ययन एवं जनजागरण ग्रुप के बैनरतले पुनर्जीवित करने के लिए मंथन किया।

केन-बेतवा परियोजना में आदिवासियों और किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं करेगी कांग्रेस : जीतू पटवारी

भोपाल 11 मई । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने आज पन्ना जिले के विश्रामगंज एवं बालूपुर क्षेत्र का दौरा कर केन-बेतवा परियोजना से प्रभावित आदिवासी परिवारों एवं किसानों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विस्थापन, अपर्याप्त मुआवज़ा, आवासीय संकट और डैम निर्माण से उत्पन्न समस्याओं को लेकर ग्रामीणों की बात सुनी तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी उनके हक़, सम्मान और न्याय की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए श्री पटवारी ने कहा कि वे स्वयं माननीय राहुल गांधी जी के संदेश के साथ उनकी समस्याएं सुनने पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि माननीय राहुल गांधी आदिवासियों, किसानों और कमजोर वर्गों की आवाज़ को हमेशा प्राथमिकता देते हैं और आवश्यकता पड़ी तो वे स्वयं भी प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचेंगे।

श्री पटवारी ने प्रशासनिक अधिकारियों से परियोजना से प्रभावित परिवारों की वास्तविक संख्या, मुआवज़े की स्थिति तथा पुनर्वास की पूरी जानकारी मांगी। उन्होंने कहा कि यदि एक परिवार में तीन व्यस्क बेटे हैं तो सभी को अलग परिवार मानकर उनका अधिकार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर कितने लोगों को खेती की ज़मीन का मुआवज़ा मिला, कितनों को मकानों का भुगतान हुआ और कितने परिवार अब भी अपने अधिकारों से वंचित हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रभावित परिवारों को मकान के नाम पर मात्र एक लाख रुपये देने की बात करती है, जबकि वर्तमान समय में इतने पैसे में छोटा प्लॉट तक नहीं खरीदा जा सकता। उन्होंने कहा कि जिस क्षेत्र में 10 लाख रुपये से कम में प्लॉट उपलब्ध नहीं है, वहां आदिवासी और गरीब परिवारों को नाममात्र का मुआवज़ा देकर उजाड़ा जा रहा है। यह आदिवासियों और किसानों के साथ अन्याय है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और 1983 के क्रिकेट विश्व कप विजेता टीम के कप्तान कपिल देव ने मुख्यमंत्री निवास में हुई सौजन्य मुलाकात में मध्यप्रदेश में खेल गतिविधियों के विकास पर चर्चा की।

स्वात्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एम.एस.चौहान द्वारा ई-2/283, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई-109/23,शिवाजी नगर,भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः एम.एस. चौहान, स्थानीय संपादक कमलेन्द्र सिंह चौहान।
फोन एवं फैक्स : 0755-4273629,।